दैनिक हिन्दी अख़बार

सच बेधड़क

www.sachbedhadak.com | twitter.com/sachbedhadak | facebook.com/sachbedhadak
YouTube: youtube.com/@sachbedhadak | Instagram: instagram.com/sach_bedhadak

वर्ष: 3 I अंक: 269 जयपुर, शनिवार, 07 सितंबर, 2024 I भाद्रपद, शुक्ल पक्ष-चतुर्थी, विसं 2081 पृष्ठ: 10 I मूल्य: 2.00

गणेश चतुर्थी की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

जरूरी खबर

पैरालंपिक: प्रवीण को गोल्ड, भारत का 26वां मेडल

पेरिस। मेंस हाई जंप T-64 के फाइनल में शुक्रवार को प्रवीण कुमार ने गोल्ड मेडल जीता। इसके साथ ही भारत ने पेरिस पैरालंपिक गेम्स में 26वां मेडल जीत लिया है। प्रवीण ने एशियन रिकॉर्ड बनाते हुए 2.08 मीटर का जंप किया। इस पैरालिंपिक गेम्स में ये भारत का छठा गोल्ड है। प्रवीण कुमार के सहारे भारत मेडल टैली में 14वें नंबर पर पहुंच गया है। भारतीय खिलाड़ियों ने अब तक 6 गोल्ड, 9 सिल्वर और 11 ब्रॉन्ज मेडल जीते हैं। यह इंडिया का पैरालंपिक में ऑलटाइम बेस्ट परफॉर्मेंस है।

हरियाणा में कांग्रेस की प्रत्याशी बनीं विनेश फोगाट

चंडीगढ़। हरियाणा कांग्रेस की ओर से शुक्रवार देर रात जारी 31 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट में चर्चित पहलवान विनेश फोगाट भी शामिल हैं। वहीं, पार्टी ने भूपेंद्र सिंह हुड्डा समेत 28 विधायकों पर फिर से भरोसा जताया है। कांग्रेस में दोपहर को शामिल हुईं पूर्व रेसलर विनेश फोगाट को जुलाना से टिकट दिया गया है। वहीं जेल में बंद सोनीपत से विधायक सुरेंद्र पंवार को भी उम्मीदवार बनाया गया है। भाजपा की पहली लिस्ट में 67 उम्मीदवारों का नाम था। राज्य में 5 अक्टूबर को मतदान होगा। 8 अक्टूबर को रिजल्ट आएगा। *(पेज 7 भी देखें)*

सच बेधड़क
दैनिक हिन्दी अख़बार
अख़बार की प्रति प्राप्त करने के लिए
+91 96640 14179
+91 97830 45155
पर सम्पर्क कर अपना पता नोट करवाएं।

ब्यूरोक्रेसी में बदलाव: 108 आईएएस और 386 आरएएस अफसरों के तबादले, 13 जिलों में नए DM

जितेंद्र सोनी जयपुर के साथ ग्रामीण और दूदू के भी कलेक्टर

■ 8 माह में जेडीसी बदला, मंजू की जगह आनंदी ■ ज्यादातर अफसरों ने कर लिया पदभार ग्रहण

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश की भजनलाल सरकार ने राज्य में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल करते हुए 108 आईएएस और 386 आरएएस अफसरों के तबादले का आदेश जारी किया गया है। कार्मिक विभाग द्वारा जारी इस आदेश में 20 आईएएस अधिकारियों को अतिरिक्त चार्ज दिया गया है। जयपुर जिले की बात करें तो नए कलेक्टर के तौर पर सरकार ने डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी को नियुक्त किया है। लम्बे समय से स्वास्थ्य विभाग में एनएचएम निदेशक रहे सोनी को जयपुर शहर के साथ जयपुर ग्रामीण और दूदू जिले का भी अतिरिक्त चार्ज दिया है। बता दें सोनी इससे पहले अलवर, नागौर, झालावाड़ और जालोर कलेक्टर भी रह चुके हैं। बता दें, बीती रात हुए इन तबादलों में शामिल ज्यादातर अफसरों ने पदभार ग्रहण कर लिया है। बहरहाल, कार्मिक विभाग ने जो लिस्ट जारी की है, उसके अनुसार 13 जिलों के कलेक्टर बदले गए हैं। नए फेरबदल में जयपुर और बांसवाड़ा के संभागीय आयुक्त का भी स्थानांतरण हुआ है। बता दें कि जयपुर, जालोर, सिरोही, अजमेर, बाड़मेर, श्रीगंगानगर, झुंझुनूं, सीकर, राजसमंद, चूरू और अलवर के कलेक्टर का ट्रांसफर हुआ है। वहीं, जो दो नए जिलों, डीग और खैरथल-तिजारा में नए कलेक्टर को जिम्मेदारी सौंप दी गई है। कार्मिक विभाग की नई लिस्ट में बांसवाड़ा संभागीय आयुक्त नीरज के. पवन को खेल विभाग में शासन सचिव लगाया गया है। वहीं, आरूषि अजय मलिक की जगह रश्मि गुप्ता को जयपुर संभागीय आयुक्त बनाया गया है।

डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी, जयपुर कलेक्टर

सत्ता के गलियारों में रही इन तबादलों की चर्चा

राजधानी में यहां तीन प्रमुख पदों पर बदलाव किए गए हैं। इसमें सबसे पहले जेडीए आयुक्त की बात करें तो 8 माह में ही कार्यरत मंजू राजपाल को हटाकर उनकी जगह आनन्दी को लगाया है। चर्चा है कि जेडीए आयुक्त और यूडीएच मंत्री के बीच तालमेल नहीं बैठने के चलते मंजू राजपाल को हटाया गया। उधर, जयपुर संभागीय आयुक्त के पद पर नियुक्त आरूषि ए. मलिक भी कुछ महीनों से काफी चर्चाओं में रहीं। उनके विवादित निर्णयों के बाद उनकी शिकायत मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव स्तर पर की गई। बहरहाल, उन्हें उच्च और तकनीकी शिक्षा में शासन सचिव के पद पर लगा दिया।

आवासन मंडल की बागडोर पहली बार महिला को

राजस्थान आवासन मंडल में आयुक्त के तौर पर पहली मर्तबा सरकार एक महिला अधिकारी प्रमोटी आईएएस डॉ. रश्मि शर्मा को लगाया गया है। वे साल 2007 में हाउसिंग बोर्ड में चीफ एस्टेट मैनेजर के पद पर रह चुकी है। वर्तमान में कमिश्नर पद का अतिरिक्त चार्ज इंद्रजीत सिंह को दे रखा था।

जयपुर में अहम पदों पर महिला अफसर

इस फेरबदल में जयपुर में कुछ महत्वपूर्ण पदों पर सरकार ने महिला अफसरों पर भरोसा जताया है। जहां रश्मि गुप्ता को संभागीय आयुक्त, रश्मि शर्मा को हाउसिंग बोर्ड कमिश्नर, आनंदी को जेडीसी और सुषमा अरोड़ा को पर्यटन निगम में एमडी लगाया गया है। वहीं, आरती डोगरा ने अध्यक्ष डिस्कॉम्स एवं जयपुर डिस्कॉम के प्रबंध निदेशक लगाया गया है। (विस्तृत समाचार पेज 2 पर)

शाहपुरा दौरा: कार्यक्रम के दौरान लोगों को किया संबोधित

गोमाता का सनातन संस्कृति में सदैव सर्वोच्च स्थान: भजनलाल

गो-चिकित्सालय से गायों को मिलेगा त्वरित और प्रभावी उपचार

■ पेपरलीक प्रकरणों बोले- छोटी मछलियां ही नहीं अब मगरमच्छ भी पकड़े जा रहे

■ नागरिक कर्तव्य निभाते हुए जरूरतमंदों तक पहुंचाएं योजनाओं का लाभ

बेधड़क | जयपुर

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि गोमाता का सनातन संस्कृति में हमेशा से सर्वोच्च स्थान रहा है। गोवंश की अपार महिमा के चलते ही छोटे से लेकर बड़े अनुष्ठानों में गाय को पूजा जाता है। गाय को आर्थिक समृद्धि, कृषि और आयुर्वेद का आधार एवं पर्यावरण संरक्षक माना गया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार भी प्रदेश में गोवंश संरक्षण और गोपालकों की सहायता के लिए निरंतर अहम निर्णय ले रही है, जिससे गोवंश का संरक्षण और संवर्द्धन सुनिश्चित हो सके।

शर्मा शुक्रवार को शाहपुरा के कोटड़ी में श्री सुरभि गो-चिकित्सालय, गो गृह एवं आईटीआई भवन के उद्घाटन और सामुदायिक भवन एवं किसान प्रशिक्षण सभागार के विस्तारीकरण के शिलान्यास समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की देवनारायण गोशाला में आधुनिक गो चिकित्सालय की कमी के चलते श्री सुरभि चिकित्सालय का शुभारंभ किया गया है। इस चिकित्सालय में आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध होने से अब गोवंश का उपचार त्वरित और प्रभावी रूप से हो सकेगा। उन्होंने दानदाताओं-भामाशाहों का इस चिकित्सालय में व्यापक प्रबंधन के लिए आभार जताया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गोमाता की देखभाल और उसका सम्मान करना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार इस महती जिम्मेदारी को समझकर गोमाता के गौरव को लौटाने के लिए प्रतिबद्ध है। राज्य सरकार प्रदेश में गोवंश संरक्षण और गोपालकों की सहायता के लिए जरूरी कदम उठा रही है।

पेपर लीक मामलों में अब तक हो चुके 115 गिरफ्तार

सीएम शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार संकल्प पत्र तथा बजट में किए गए सभी वादों को धरातल पर उतारने के लिए लगातार काम कर रही है। उन्होंने आश्वस्त किया कि संकल्प पत्र में किए प्रत्येक वादे को पूरा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पेपरलीक प्रकरणों में एसआईटी द्वारा अब तक 115 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। इन प्रकरणों में छोटी मछलियां ही नहीं मगरमच्छ भी पकड़े जा रहे हैं। युवाओं के सपनों पर कुठाराघात करने वाले किसी भी अपराधी को नहीं बख्शा जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेशवासियों के उत्थान के लिए राज्य सरकार निरंतर कार्य कर रही है। बजट में शाहपुरा जिले के विकास का पूरा ध्यान रखा गया है। उन्होंने कहा कि विभिन्न स्थानों पर सड़क निर्माण एवं चौडाईकरण कार्य करवाए जाएंगे जिससे शाहपुरा में सुदृढ सड़क तंत्र विकसित हो सकेगा। उन्होंने कहा कि औद्योगिक विकास के लिए यहां पीपलूंद में औद्योगिक क्षेत्र तथा पंडेर में औद्योगिक पार्क स्थापित किए जाएंगे। साथ ही, जहाजपुर में कन्या महाविद्यालय, कोटड़ी में नवीन महाविद्यालय, जहाजपुर में जनजाति छात्रावास और सरसिया में जनजाति बालिका छात्रावास खोलने जैसे अहम निर्णय लिए गए हैं। वहीं, कई अन्य विकास कार्य कराए जा रहे हैं। इससे पहले मुख्यमंत्री ने देवनारायण गोशाला में गौमाता का पूजन किया। गोपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने इस मौके पर कहा कि सनातन संस्कृति में गोमाता की पूजा को महत्वपूर्ण बताया गया है तथा हमारे जीवन में भी गौवंश बहुत उपयोगी है।

श्रीचारभुजा नाथ मंदिर में किए दर्शन

इससे पूर्व मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कोटड़ी के चारभुजा नाथ मंदिर परिसर में भगवान श्री चारभुजा नाथ और श्री सर्वेश्वर महादेव के दर्शन किए। उन्होंने यहां पूजा-अर्चना कर प्रदेश एवं प्रदेशवासियों की खुशहाली एवं सुख-समृद्धि की कामना की।

ये रहे मौजूद

कार्यक्रम में सांसद राजेंद्र गहलोत, दामोदर अग्रवाल, विधायक गोपीचंद मीणा, अशोक कोठारी, उदयलाल भड़ाना, लादूलाल पीतलिया, गोपाल लाल शर्मा, संत राधाकृष्ण महाराज, आरएसएस के क्षेत्र प्रचारक निंबाराम सहित बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

सीएम 9 को जाएंगे जापान और दक्षिण कोरिया

आगामी 9 से 11 दिसंबर को आयोजित होने वाले 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 की तैयारियों के मद्देनजर, मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल 9 से 14 सितंबर के बीच अंतरराष्ट्रीय निवेशकों से मिलने के लिए दक्षिण कोरिया और जापान का दौरा करेगा। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में यह प्रतिनिधिमंडल जापान की राजधानी में 'नीमराना दिवस' समारोह में भी भाग लेगा

खुशखबरी: 2 साल बाद बीसलपुर बांध के खोले गए 4 गेट

पहले दो फिर कुछ घंटों बाद दो और गेट खोले

बेधड़क | जयपुर

राजधानी वालों के लिए खुशखबरी है कि जयपुर और अजमेर की लाइफ लाइन माने जाने वाले बीसलपुर बांध के शुक्रवार को 4 गेट खोले गए। प्रदेश के जल संसाधन मंत्री सुरेश रावत ने सुबह 11:01 बजे पूजा-अर्चना के बाद दो गेट (9 और 10 नंबर) खोले। पानी की आवक को देखते हुए शाम 5:30 बजे दो और गेट (8 और 11 नंबर) खोले गए। गेट 8 और 11 एक-एक मीटर, जबकि 9 और 10 को 2-2 मीटर खोला गया है। इनसे 36,060 क्यूसेक पानी की निकासी की जा रही है। जानकारों के मुताबिक यह छोड़ा गया पानी कई राज्यों से होता हुआ बंगाल की खाड़ी तक पहुंचेगा। वहीं, पानी के निकासी क्षेत्र बनास नदी के दोनों और सुरक्षा बढ़ाई गई है।

जलस्तर 315.50 आरएल मीटर

बांध का जल स्तर अभी 315.50 आरएल मीटर पर है। त्रिवेणी की गेज 4.20 मीटर पर है। क्षेत्र में शुक्रवार सुबह 6 से शाम 5:30 बजे तक कुल 19 मिमी बारिश दर्ज हुई है। बांध बनने के बाद से अब तक ये 7वां मौका है, जब बांध से पानी छोड़ा जा रहा है। इससे पहले प्रशासन ने सायरन बजाकर लोगों को अलर्ट किया।

राजस्थान हाई कोर्ट का अहम फैसला

असंगठित और निजी क्षेत्रों में महिलाओं को मिले 180 दिन का मातृत्व अवकाश

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान हाई कोर्ट ने केन्द्र और राज्य सरकार को कहा है कि असंगठित और निजी क्षेत्र में कार्यरत महिलाओं को 180 दिन का मातृत्व अवकाश देने के लिए निर्देश दिए जाए। इसके साथ ही अदालत ने रोडवेज में कार्यरत याचिकाकर्ता महिला को 90 दिन के बजाए 180 दिन का मातृत्व अवकाश देने को कहा है। अदालत ने कहा कि यदि समय बीतने के कारण 90 दिनों का बढ़ा हुआ अवकाश देना संभव नहीं हो तो उसे इस अवधि का अतिरिक्त वेतन मुआवजे के तौर पर दिया जाए। जस्टिस अनूप ढंड की एकलपीठ ने यह आदेश मीनाक्षी चौधरी की याचिका को स्वीकार करते हुए दिए।

याचिकाकर्ता के वकील ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता रोडवेज में कंडक्टर पद पर कार्यरत है। उसने संतान को जन्म देने के बाद 180 दिन का मातृत्व अवकाश लेने के लिए आवेदन किया, लेकिन उसे 90 दिन का अवकाश ही दिया गया। ऐसे में उसे 90 दिन का अवकाश और दिलाया जाए। इस पर रोडवेज की ओर से कहा गया कि वर्ष 1965 के विनियम के नियम 74 के तहत 90 दिन का ही मातृत्व अवकाश दिया जा सकता है। ऐसे में याचिका को खारिज किया जाए।

शेयर बाजार में हाहाकार

सेंसेक्स 1000 अंक लुढ़का... निवेशकों को ₹5 लाख करोड़ का नुकसान

एजेंसी | मुंबई

शेयर बाजार में आज 6 सितंबर को तेज गिरावट आई। सेंसेक्स 1017 अंक गिरकर 81,184 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी करीब 293 अंक लुढ़ककर 24852 के पर पहुंच गया। कमजोर ग्लोबल संकेतों के बीच यह लगातार तीसरा दिन है, जब शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद हुए। इस गिरावट के चलते निवेशकों को आज करीब 5 लाख करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप घटकर 460.59 लाख करोड़ रुपए पर आ गया, जो एक दिन पहले 465.68 लाख करोड़ था। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर निफ्टी के टॉप लूजर्स में शामिल थे।

विशेषज्ञों के अनुसार बाजार में गिरावट के पीछे ये रहे प्रमुख कारण

अमेरिकी इकोनॉमी से जुड़ा आंकड़ा: अमेरिका में रोजगार से जुड़े एक अहम डेटा का असर अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दरों से जुड़े फैसलों पर देखने को मिल सकता है। फेडरल रिजर्व की इसी महीने में बैठक होने वाली है। ऐसे में निवेशक इस आंकड़े से पहले सतर्क दिख रहे हैं। इस सतर्कता के पीछे एक कारण यह भी है कि हाल ही में अमेरिकी इकोनॉमी से जुड़े कई आंकड़ों के चलते शेयर बाजार में गिरावट देखने को मिली थी। ऐसे में निवेशक कोई नई पोजिशन लेने से बच रहे हैं। इनवेस्टमेंट स्ट्रैटजिस्ट विजयकुमार ने कहा कि इस बात पर आम सहमति है कि फेडरल रिजर्व सितंबर की बैठक में दरों में कटौती करेगा, लेकिन यह कटौती कितनी होगी, यह रोजगार के आंकड़ों पर निर्भर करेगा।

ग्लोबल बाजारों में सुस्ती: ग्लोबल शेयर मार्केट में सुस्ती के चलते शुक्रवार को निवेशकों का सेंटीमेंट कमजोर है। अमेरिकी स्टॉक मार्केट के तीनों प्रमुख इंडेक्स बीता रात गिरावट के साथ बंद हुए। एशियाई बाजारों में भी साउथ कोरिया का कॉस्पी, चीन का शंघाई कंपोजिट, जापान का निक्की-225 और हांगकांग का हैंगसेंग नुकसान में रहे।

हद से अधिक खरीदारी के बाद मुनाफावसूली: शेयर बाजार में गिरावट के पीछे एक मुख्य वजह मुनाफावसूली है। हाल ही में निफ्टी लगातार 14 दिनों तक तेजी के साथ बंद हुआ था। सेंसेक्स में भी 8 दिनों तक लगातार उछाल देखा गया। मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्सों ने इस दौरान अपने ऑलटाइम हाई को छुआ। मार्केट एक्सपर्ट्स ने कहा कि इतनी लंबी रैली के बाद निफ्टी 'ओवरबॉट' जोन में चला गया था और अब इसमें मुनाफावसूली देखने को मिल रही है।

महंगा वैल्यूएशन: मार्केट एक्सपर्ट्स का कहना है कि शेयर बाजार में इस समय ऊंचा वैल्यूएशन देखने को मिल रहा है, खासतौर से मिडकैप और स्मॉलकैप सेगमेंट में। उन्होंने कहा कि ऐतिहासिक रूप से स्मॉल-कैप इंडेक्स में हर 3-4 साल में करेक्शन आता है। हम फिलहाल तेजी के पांचवें साल में हैं। कई शेयरों के वैल्यूएशन को जस्टिफाई करना मुश्किल होता जा रहा है। ऐसे में इन शेयरों में करेक्शन के साथ आगे भी मुनाफावसूली जारी रहने की संभावना है।

जरूरी खबर

राज्यपाल से आलोक राज ने की मुलाकात

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे से शुक्रवार को राजभवन में राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड के अध्यक्ष मेजर जनरल आलोक राज ने मुलाकात की। उन्होंने इस दौरान बोर्ड की कार्य प्रणाली के बारे में विस्तार से जानकारी दी। राज्यपाल से उनकी यह शिष्टाचार भेंट थी।

सीमाएं खुलवाने के लिए सीएम ने शाह को लिखा पत्र

जयपुर। गहलोत सरकार के समय बने 17 नए जिलों को लेकर भजनलाल सरकार जल्द फैसला लेना चाहती है। प्रस्तावित जनगणना के चलते राज्य की प्रशासनिक सीमाएं सील हैं। ऐसे में सरकार चाहकर भी जिलों के क्षेत्राधिकार में परिवर्तन नहीं कर सकती है। इसे लेकर अब मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को पत्र लिखा है। पत्र में राजस्थान के लिए प्रशासनिक सीमाओं को 31 दिसंबर तक खोलने का आग्रह किया है। इससे साफ है कि भजनलाल सरकार अगले दो-तीन महीनों में ही गहलोत सरकार के समय बने 17 नए जिलों का क्षेत्राधिकार बदलने, उन्हें समाप्त करने और छोटे जिलों को आपस मर्ज करने का फैसला लेगी। पत्र में कहा गया है कि केंद्र सरकार ने आगामी जनगणना के लिए जिलों, तहसील, कस्बों और गांवों जैसी प्रशासनिक इकाइयों को तय करने की राज्य की शक्तियां एक जुलाई 2024 के आगे नहीं बढ़ाई है।

महाराणा प्रताप सर्किट को देंगे भव्य रूप: दिया

जयपुर। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि महाराणा प्रताप का व्यक्तित्व बहुत विराट और विश्व वंदनीय है। राज्य सरकार की ओर से बजट घोषणा में प्रताप टूरिस्ट सर्किट के लिए 100 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। उप मुख्यमंत्री शुक्रवार सुबह उदयपुर संभागीय आयुक्त कार्यालय सभागार में महाराणा प्रताप टूरिस्ट सर्किट को लेकर हितधारकों के सुझाव प्राप्त करने के लिए आयोजित बैठक को संबोधित कर रही थीं। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि टूरिस्ट सर्किट में यथासंभव महाराणा प्रताप से जुड़े सभी प्रमुख स्थलों को शामिल किया जाएगा। इसमें प्रयास रहेगा कि उन स्थलों पर अवस्थित ऐतिहासिक धरोहरों को यथावत रखते हुए उन्हें संरक्षित कर साफ-सफाई, सुरक्षा, लाइटिंग, पर्यटकों के लिए सुविधाएं, पेयजल आदि की व्यवस्था की जाएगी।

जयपुर पुलिस कमिश्नर समेत 40 आईपीएस अफसरों के हो सकते हैं तबादले

IAS के बाद अब IPS तबादला सूची का काउंटडाउन शुरू

बेधड़क | जयपुर

सरकार ने गुरुवार देर रात 108 आईएएस अफसरों की सबसे लंबी तबादला सूची जारी की है। आईएएस अफसरों के बाद आईपीएस अफसरों की तबादला सूची जारी होने का काउंटडाउन शुरू हो गया है।

शुक्रवार को पुलिस मुख्यालय में दिनभर तबादला सूची को लेकर हलचल रही है। तबादला सूची के इंतजार में जिलों व पुलिस के सभी कार्यालयों में अफसरों का पिछले कई माह से कामकाज प्रभावित हो रहा है। क्योंकि कई अफसर तो तबादला होने के इंतजार में काम न की बराबर कर रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि पहली तबादला सूची में 40 से ज्यादा आईपीएस अफसरों के नाम शामिल होंगे। इनमें जयपुर पुलिस कमिश्नर, रेंज आईजी और जिला एसपी शामिल है, जबकि 5 से ज्यादा एडीजी रैंक के अफसरों को भी नई जिम्मेदारी मिल सकती है। प्राइम पोस्टिंग के लिए एक दर्जन से ज्यादा अफसर दौड़ में है।

कमिश्नर का चयन बना सिरदर्द

जयपुर पुलिस कमिश्नर के पद पर वर्तमान में बीजू जॉर्ज जोसफ तैनात है। जोसफ की छवि पुलिस में बेदाग और ईमानदार की है। जोसफ को कांग्रेस सरकार में पोस्टिंग मिली थी और कामकाज को लेकर भी कोई शिकायत नहीं है, लेकिन कमिश्नर के पद पर किसी अन्य अफसर की पोस्टिंग होना तय माना जा रहा है। कमिश्नर की दौड़ में एडीजी रैंक के विशाल बंसल, वीके सिंह, दिनेश एमएन और मालिनी अग्रवाल को नाम शामिल है, जबकि आईजी रैंक के अफसरों में गौरव श्रीवास्तव व प्रफुल्ल कुमार को दावेदार माना जा रहा है।

जयपुर रेंज का चार्ज

आईजी उमेश दत्ता के प्रतिनियुक्ति पर जाने के बाद जयपुर रेंज का अतिरिक्त प्रभार आईजी कानून व्यवस्था अनिल कुमार टांक को दिया था। हालांकि पिछले कई माह से टांक की जयपुर रेंज में स्थाई पोस्टिंग नहीं की है। ऐसे में जयपुर रेंज की पोस्टिंग को लेकर टांक समेत तीन अन्य आईपीएस अफसर दौड़ में है। इनमें भरतपुर रेंज आईजी राहुल प्रकाश, उदयपुर रेंज आईजी अजयपाल लांबा का नाम शामिल है।

25 जिलों के एसपी होंगे इधर-उधर

सूत्रों ने बताया कि वर्तमान में जिलों में तैनात 25 से ज्यादा जिला एसपी इधर-उधर होंगे। इन अफसरों के जिले बदलना तय माना जा रहा है, जबकि जयपुर रेंज के साथ में उदयपुर, भरपुर, बीकानेर, सीकर, जोधपुर कमिश्नर और बांसवाड़ा रेंज आईजी को भी बदले जाने की चर्चा है।

इनको मिल सकती है रेंज की जिम्मेदारी

पुलिस मुख्यालय में तैनात आईजी हेमंत शर्मा को रेंज की जिम्मेदारी मिल सकती है। शर्मा के अलावा आईजी अंशुमान भौमिया और राजेश मीणा को भी जिम्मेदारी मिल सकती है।

प्रदेश की टॉप ब्यूरोक्रेसी में बड़ा बदलाव

भजनलाल सरकार ने किए 108 आईएएस अफसरों के तबादले

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश की भजनलाल सरकार ने अब तक की सबसे बड़ी प्रशासनिक सर्जरी करते हुए 108 आईएएस अफसरों के तबादले कर दिए हैं। इनमें कई बड़े पदों पर आमूलचूल बदलाव किया गया है, वहीं 20 आईएएस अफसरों को उनके विभाग के अतिरिक्त भी अन्य विभागों का चार्ज दिया गया है। कई अफसरों को पदस्थापन की प्रतिक्षा में भी रखा गया है।

कार्मिक विभाग की ओर से जारी सूची के अनुसार आईएएस रवि जैन को शासन सचिव पर्यटन विभाग, डॉ. समित शर्मा को शासन सचिव पशुपालन मत्स्य एवं गोपालन, रवि कुमार सुरपुर को शासन सचिव वित्त (राजस्व) विभाग, आरुषि मलिक को शासन सचिव उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग, डॉ. जोगाराम को शासन सचिव सामान्य प्रशासन मंत्रिमंडल सचिवालय, पी। रमेश को शासन सचिव देवस्थान विभाग और आरती डोगरा को अध्यक्ष डिस्कॉम्स जयपुर एवं प्रबंध निदेशक JVVNL लगाया गया है।

वैभव गालरिया बने नगरीय विकास एवं आवासन विभाग के प्रमुख शासन सचिव

इसी तरह से IAS वैभव गालरिया को प्रमुख शासन सचिव नगरीय विकास एवं आवासन विभाग, टी. रविकांत को प्रमुख शासन सचिव खान एवं पेट्रोलियम विभाग, सुबीर कुमार को प्रमुख शासन सचिव खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग, भवानी सिंह देथा को सदस्य राजस्व मंडल अजमेर, विकास सीतारामजी भाले अध्यक्ष राजस्थान सिविल सेवा अपील अधिकरण जयपुर, मंजू राजपाल को शासन सचिव एवं पंजीयक सहकारिता विभाग, नवीन जैन को शासन सचिव वित्त (व्यय) विभाग, डॉ. कृष्णकांत पाठक को शासन सचिव कार्मिक विभाग, भानूप्रकाश एटूरू को शासन सचिव जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग और डॉ. नीरज कुमार पवन को शासन सचिव युवा मामले एवं खेल विभाग लगाया गया है।

13 जिलों में कलेक्टर बदले

भजनलाल सरकार में पहली बार जयपुर सहित 13 जिलों के कलेक्टर बदले गए हैं। जयपुर कलेक्टर प्रकाश राजपुरोहित के स्थान पर सीनियर आईएएस डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी को नया कलेक्टर लगाया गया है। इसी तरह चूरू, राजसमंद, सीकर, झुंझुनूं, जालौर, डीग, सिरोही, खैरथल तिजारा, अजमेर, बाड़मेर, गंगानगर और अलवर जिले में भी नए कलेक्टर लगाए गए हैं। आशीष मोदी को चूरू, शुभम चौधरी को राजसमंद, मुकुल शर्मा को सीकर, रामावतार मीणा को झुंझुनूं, प्रदीप के. गवांडे को जालौर, हरिमोहन मीणा को डीग, अल्पा चौधरी को सिरोही, किशोर कुमार को खैरथल तिजारा, लोकबंधु को अजमेर, टीना डाबी बाड़मेर, डॉ. मंजू को श्रीगंगानगर और डॉ. अर्तिका शुक्ला को अलवर लगाया गया है।

आनंदी बनीं JDA आयुक्त

इसी तरह से आनंदी को आयुक्त JDA जयपुर, शुचि त्यागी को शासन सचिव परिवहन विभाग, राजन विशाल को शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी एवं पंचायती राज, अर्चना सिंह को शासन सचिव सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग, महेंद्र सोनी को शासन सचिव महिला एवं बाल विकास विभाग, विजयपाल सिंह को आयुक्त पर्यटन विभाग और शैली किशनानी को अतिरिक्त महानिदेशक HCM रीपा का जिम्मा सौंपा गया है।

डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी जयपुर कलेक्टर

इनके अलावा सुषमा अरोड़ा को प्रबंध निदेशक RTDC, रश्मि गुप्ता को संभागीय आयुक्त जयपुर, कुमार पाल गौतम को निदेशक एवं पदेन विशिष्ट शासन सचिव स्थानीय निकाय, घनेंद्र भान चतुर्वेदी को सचिव राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग, प्रकाश राजपुरोहित आयुक्त वाणिज्यिक कर विभाग, डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी को जिला कलेक्टर जयपुर, इंद्रजीत सिंह प्रबंध निदेशक रीको और कन्हैयालाल स्वामी को विशिष्ट शासन सचिव गृह विभाग लगाया गया है।

शुभ्रा सिंह रोडवेज अध्यक्ष

IAS शुभ्रा सिंह को अध्यक्ष राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम, श्रेया गुहा को अतिरिक्त मुख्य सचिव ग्रामीण विकास विभाग, भास्कर ए। सावंत को प्रमुख शासन सचिव जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं भू-जल, अश्विनी भगत को प्रमुख शासन सचिव अल्पसंख्यक मामलात एवं वक्फ विभाग, राजेश कुमार यादव को प्रमुख शासन सचिव स्वायत्त शासन विभाग, हेमंत कुमार गेरा को अध्यक्ष, राजस्व मंडल और गायत्री ए. राठौड़ को प्रमुख शासन सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण एवं पंचायती राज विभाग लगाया गया है।

लोकबंधु को लगाया अजमेर जिला कलेक्टर

आईएएस डॉ. अरुण गर्ग भू- प्रबंध आयुक्त एवं पदेन निदेशक बंदोबस्त, राजेंद्र कुमार वर्मा ACEO स्टेट हेल्थ इंश्योरेंस एजेंसी, अल्पा चौधरी को जिला कलेक्टर सिरोही, संचिता विश्नोई को निदेशक मत्स्य विभाग, हर्ष सावन सूखा को निदेशक पब्लिक सर्विसेज एवं पदेन संयुक्त शासन सचिव, बाबूलाल गोयल सचिव राज। विद्युत विनियामक आयोग, किशोर कुमार को जिला कलेक्टर खैरथल तिजारा, बचनेश कुमार अग्रवाल को निदेशक सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, डॉ. निशांत जैन को सचिव JDA जयपुर, लोकबंधु जिला कलेक्टर अजमेर, सौरभ स्वामी अतिरिक्त आयुक्त विनियोजन एवं अप्रवासी भारतीय, उद्योग संवर्धन ब्यूरो, पूजा कुमारी पार्थ को संयुक्त शासन सचिव गृह विभाग और हेमपुष्पा शर्मा निदेशक राज्य बीमा एवं प्रावधायी निधि विभाग लगाया गया है।

ओमप्रकाश बैरवा होंगे आयुक्त कॉलेज शिक्षा विभाग

आईएएस डॉ. ओमप्रकाश बैरवा को आयुक्त कॉलेज शिक्षा विभाग, शाहीन अली खान को परियोजना निदेशक राजस्थान स्टेट एड्स कंट्रोल सोसायटी, आकाश तोमर को कार्यकारी निदेशक रीको, अरुण कुमार हसीजा को अतिरिक्त आयुक्त (योजना एवं नीति) आबकारी विभाग, मनीष गोयल को संयुक्त शासन सचिव शिक्षा ग्रुप-2, मातादीन मीणा को निदेशक प्राच्य विद्या संस्थान जोधपुर, कमलराम मीणा को संयुक्त शासन सचिव PWD, केसरलाल मीणा को अतिरिक्त निदेशक सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग लगाया गया है।

386 आरएएस अफसरों के तबादले

32 ADM, 127 SDM और 13 विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार बदले

■ जगवीर सिंह बनाए गए सीएम के संयुक्त सचिव

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश में प्रशासनिक फेरबदल का दौर जारी है। 108 आईएएस अधिकारियों के तबादले के बाद अब प्रदेश में 386 आरएएस अधिकारियों को इधर-उधर किया गया। ब्यूरोक्रेसी में बदलाव को विधानसभा उपचुनाव से जोड़कर भी देखा जा रहा है। माना जा रहा है कि उपचुनाव से पहले सरकार तबादले का काम पूरा कर रही है। सरकार ने 32 एडीएम, 127 एसडीएम और 13 विश्वविद्यालयों के रजिस्ट्रार को भी बदल गया है।

ट्रांसफर हुए 386 आरएएस अफसरों में डॉ. राकेश कुमार शर्मा को भाषा एवं पुस्तकालय विभाग का निदेशक बनाया गया है। सुरेश चंद्र को राजस्थान आवासन मंडल का सचिव बनाया गया है। अवधेश सिंह सिविल एविएशन के निदेशक बनाए गए हैं, जबकि जगवीर सिंह को मुख्यमंत्री का संयुक्त सचिव बनाया गया है। बृजेश चांदोलिया को पंचायतीराज का अतिरिक्त आयुक्त व संयुक्त सचिव बनाया गया है, जबकि भंवरलाल मेहरड़ा को हरिदेव जोशी पत्रकारिता विवि का रजिस्ट्रार बनाया गया है। रामस्वरूप को इंदिरा गांधी पंचायतीराज संस्थान का अतिरिक्त निदेशक बनाया गया है। श्वेता फगेड़िया को राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद उदयपुर निदेशक बनाया गया है। रेनू खंडेलवाल को अतिरिक्त आयुक्त प्रथम परिवहन एवं पदेन संयुक्त शासन सचिव बनाया गया है। बिंदु करुणाकर राजस्थान राज्य खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति के महाप्रबंधक बनाए गए हैं। कार्मिक विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार भागीरथ बिश्नोई को सचिव, जोधपुर विकास प्राधिकरण, रचना भाटिया- राजस्व अपील अधिकारी, बीकानेर, मुकेश कुमार मीणा - अतिरिक्त निदेशक, राज्य बीमा-प्रावधायी निधि विभाग, जयपुर, प्रभा गौतम - अतिरिक्त निदेशक कम उप शासन सचिव, बाल अधिकारिता विभाग, राजपाल सिंह को आयुक्त नगर निगम कोटा उत्तर, कोटा में लगाया है। ओमप्रकाश बिश्नोई को लगाया CEO माडा, हनुमानगढ़, भावना शर्मा को लगाया रजिस्ट्रार कोटा विश्वविद्यालय, विनीता सिंह- अति. जिला कलेक्टर, अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट (न्याय) जयपुर द्वितीय, प्रह्लाद सहाय नागा को लगाया निदेशक, गौपालन, सीमा शर्मा- सचिव (प्रशासन) अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड, ऋषिबाला श्रीमाली को लगाया उप सचिव, राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर, रौनक बैरागी अति. राज्य परियोजना निदेशक, SMSA एवं स्कूल शिक्षा परिषद, तुलिका सैनी को लगाया परियोजना निदेशक, NHM जयपुर, कीर्ति राठौड़ को लगाया भू-प्रबंध अधिकारी, उदयपुर, नीलिमा तक्षक को राजस्व अपील अधिकारी, जयपुर लगाया गया है।

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा की पुत्रवधू प्रतिभा डोटासरा को छुट्टी से लौटने के बाद जयपुर में आमेर विकास प्रबंधन प्राधिकरण के अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी (एसीईओ) के पद पर जिम्मेदारी दी है। सीएमओ में उपसचिव हेमेंद्र नागर का तबादला उदयपुर जिला परिषद सीईओ के पद पर किया है। मोहनदान रत्नू को सीएमओ में उपसचिव के पद पर नई पोस्टिंग दी है। रत्नू का वाणिज्यिक कर विभाग के उपायुक्त से सीएमओ में उपसचिव पद पर तबादला किया है। तीन मंत्रियों के स्पेशल असिस्टेंट, प्राइवेट सेक्रेटरी के तबादले कर दिए हैं। सामाजिक न्याय अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत के स्पेशल असिस्टेंट नरेश कुमार मालव का तबादला अतिरिक्त आयुक्त आबकारी के पद पर किया गया है। राज्य मंत्री के के विश्नोई के एसए राजपाल सिंह का ट्रांसफर कोटा नगर निगम के आयुक्त के पद पर किया गया है। राजस्व राज्य मंत्री विजय सिंह चौधरी के निजी सचिव रोहित कुमार का तबादला मंत्री अविनाश गहलोत के निजी सचिव के पद पर किया है। मंत्री केके विश्नोई के नए एसए और विजय सिंह के निजी सचिव के पद पर किसी अफसर को नहीं लगाया है।

जोधपुर में बोले केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री

दुनिया का सबसे बड़ा टूरिज्म मार्केट और डेस्टिनेशन बन रहा भारत: शेखावत

बेधड़क | जयपुर

केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने जोधपुर में कहा कि भारत में पर्यटन की असीम संभावनाएं हैं। आज भी दुनिया के देशों में भारत पर्यटन का एक बड़ा केंद्र है।

आने वाले समय में जिस तरह भारत के प्रति आकर्षण पूरी दुनिया का बढ़ रहा है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत विकसित हो रहा है, पूरी दुनिया कौतूहल की दृष्टि से भारत को देख रही है। भारत दुनिया का सबसे बड़ा टूरिज्म मार्केट और डेस्टिनेशन बनने वाला है। केंद्रीय मंत्री शुक्रवार शाम अपने संसदीय क्षेत्र पहुंचे। एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि भारतीय एस्पिरेशनल क्लास भारत के टूरिज्म की ताकत को इजाफा देने वाली है। प्रधानमंत्री की नीतियों के चलते 25 करोड़ लोग गरीबी की रेखा से बाहर आए हैं। जो लोग वर्षों और पीढ़ियों से गरीबी का दंश झेल रहे थे, उनकी दबी हुई उत्कंठा अब उजागर होंगी, वो भारत को जानने, भारत की सांस्कृतिक विविधता को पहचानने के लिए पर्यटन के लिए निकलेंगे।

केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा टूरिज्म मार्केट और डेस्टिनेशन बने, इसे लेकर प्रधानमंत्री के नेतृत्व में इंफ्रास्ट्रक्चर ग्रोथ और होलिस्टिक डेवलपमेंट पर कार्य हो रहा है। उन्होंने कहा कि हमने अभी एक चैलेंज फ्लोट किया है, जिसमें देशभर के लोगों से अपील की है कि वो अपने अनुकूल और अनुरूप जो बेस्ट टूरिस्ट डेस्टिनेशन हैं, जिसको वो मानते हैं, अपने क्षेत्र या देश का कोई भी, उस पर वो वोट करें। अधिकतम वोट्स जिन डेस्टिनेशन्स को मिलेंगे, उनको हम होलिस्टिक तरीके से प्रधानमंत्री के नेतृत्व में डेवलप करेंगे, ताकि आने वाले समय में वो वर्ल्ड क्लास टूरिस्ट डेस्टिनेशन बन सकें। केंद्रीय मंत्री सड़क मार्ग से पोकरण रवाना हुए। वे रात्रि विश्राम पोकरण में करने के बाद शनिवार सुबह लोकदेवता बाबा रामदेव की मंगला आरती में शामिल होंगे।

कॉरिडोर के लिए जताया मोदी का आभार

जोधपुर को इंडस्ट्रियल कॉरिडोर मिलने पर शेखावत ने कहा कि जोधपुर का औद्योगिक विकास हो, यह भाजपा के संकल्प पत्र में घोषणा पत्र में था। हमने चुनाव के समय भी इस पर कहा था। भारत सरकार ने जब देश में 14 जगह ऐसे इंडस्ट्रियल कॉरिडोर बनाने के बात की, तब जोधपुर को भी यह सौगात मिले, हम सबने मिलकर प्रयास किया। राजस्थान का दूसरा बड़ा शहर होने के नाते जोधपुर में औद्योगिक विकास की सारी संभावनाएं और आवश्यकताएं, जैसे जमीन, ऊर्जा, पानी और रॉ मटेरियल, होने के नाते जोधपुर स्वाभाविक रूप से ऐसी जगह थी, जहां पर औद्योगिक विकास हो सकता है। शेखावत ने इंडस्ट्रिलय कॉरिडोर के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का धन्यवाद दिया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का अभिनंदन किया।

विधायक देवेंद्र जोशी के घर पहुंच जताया शोक

केंद्रीय मंत्री शेखावत सूरसागर विधायक देवेंद्र जोशी की माताजी राधा देवी के निधन पर आयोजित शोकसभा में शामिल हुए। पुष्पांजलि अर्पित कर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए परमात्मा से प्रार्थना की। परिवार के सदस्यों से मिलकर संबल प्रदान किया।

मोती डूंगरी सहित शहरभर के गणेश मंदिरों में सिंजारा पर्व मनाया, गणेश चतुर्थी पर्व आज

गजानन ने मेहंदी लगाई...सिर पर स्वर्ण मुकुट, गले में नौलखा हार पहना

बेधड़क | जयपुर

शहर भर के गणेश मंदिरों में शनिवार को गणेश चतुर्थी मनाई जाएगी। इससे एक दिन पहले शुक्रवार को सिंजारा पर्व मनाया गया। मोती डूंगरी गणेश जी मंदिर मोती डूंगरी गणेश मंदिर में गणेशजी को सोजत से मंगवाई गई 3100 किलो मेहंदी धारण कराई गई। मेहंदी धारण कराकर पांच स्थानों से मेहंदी का वितरण किया गया। महिला और कन्याओं को डोरा एवं मेहंदी वितरण की अलग व्यवस्था की गई। सिंजारे पर भगवान गणेश जी का विशेष श्रृंगार कर स्वर्ण मुकुट धारण कराया गया। गणेशजी को मोती, सोना, पन्ना, माणक सहित अन्य रत्नों का नौलखा हार धारण कराया गया। शाम को भक्ति संध्या का आयोजन भी किया गया। इस दौरान मंदिर की आकर्षक सजावट और रोशनी की गई।

शनिवार को मंदिर में गणेश जन्मोत्सव का मेला लगेगा। सुबह चार बजे मंगला आरती के साथ दर्शन शुरू हो जाएंगे। सुबह 11 बजकर 20 मिनट पर विशेष पूजन के बाद साढ़े ग्यारह बजे श्रृंगार आरती होगी। भोग आरती दोपहर सवा दो बजे, संध्या आरती शाम 7 बजे और शयन आरती रात 11 बजकर 45 मिनट पर होगी।

गणेश मंदिर-कनक घाटीः ठिकाना मंदिर श्री गोविंद के मातहत आमेर रोड कनक घाटी स्थित मंदिर श्री गणेश जी महाराज में गणेश चतुर्थी महोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। गोविंद देवजी मंदिर के सेवाधिकारी मानस गोस्वामी ने बताया कि मंदिर सुबह पांच से रात्रि नौ बजे तक दर्शनों के लिए खुला रहेगा। इस मौके पर मंदिर को फूलों और रोशनी से सजाया जाएगा। गणेश जी महाराज का पंचामृत अभिषेक कर नवीन पोशाक धारण कराई जाएगी।

मेहंदी पूजन में शामिल हुए मुख्यमंत्री

गणेश चतुर्थी की पूर्व संध्या पर शुक्रवार को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा प्रथम पूज्य श्री मोती डूंगरी गणेश जी के मेहंदी पूजन में सम्मिलित हुए। उन्होंने पूर्ण विधि-विधान से पूजन किया और सिंजारा महोत्सव के अवसर पर गणपति जी को मेहंदी अर्पित कर सर्व कल्याण की प्रार्थना की।

जरूरी खबर

12.5 बीघा भूमि पर तीन अवैध कॉलोनियां ध्वस्त

जयपुर। जेडीए द्वारा जोन-12 में निजी खातेदारी की करीब 12.5 बीघा भूमि पर बसाई जा रही 3 नवीन अवैध कॉलोनियां का प्रारंभिक स्तर पर ही पूर्णतः ध्वस्त किया गया। मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन महेन्द्र कुमार शर्मा ने बताया कि जोन-12 में स्थित रोड नम्बर 7 के पास निवारू रोड पर करीब 1.5 बीघा निजी खातेदारी भूमि पर 'मिलन विहार' के नाम से, ग्राम सबरामपुरा कालवाड़ रोड के पास करीब 3 बीघा निजी खातेदारी भूमि पर 'प्रेम नगर' के नाम से और ग्राम कालवाड़ मण्डा रोड पर करीब 8 बीघा निजी खातेदारी भूमि पर 'ईश्वर नगर विस्तार' के नाम से अवैध कॉलोनी बसाने के लिए बनाई गई मिट्टी-ग्रेवल सड़कें, मकानों की बाउण्ड्रीवाल, पिल्लर सहित अन्य अवैध निर्माण को ध्वस्त किया गया।

पकड़ी गई किशोरियां, नहीं तो फंस जाती देह व्यापार के दलदल में

सहेली ने गिफ्ट का लालच दिया तो घर से भागी तीन नाबालिग

- देह व्यापार के लिए जयपुर से फांस कर नाबालिग सहेली ने भिजवाया था भोपाल
- अजमेर रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ ने पकड़ा, गैंग के सरगना सहित तीन गिरफ्तार

बेधड़क | जयपुर

पुलिस ने ऐसी गैंग का भंडाफोड़ किया है जो जयपुर से नाबालिग लड़कियों को लालच देकर भोपाल बुलाती और फिर उन्हें देहव्यापार के दलदल में धकेल देती। इसमें गैंग के सरगना की सहयोगी जयपुर में रह रही नाबालिग थी, जो सहेली 'दीदी' बनकर किशोरियों को जाल में फांसती और फिर उन्हें घर छोड़कर भागने को उकसाती थी।

गैंग का सूत्र 'दीदी' की बातों में आकर घर छोड़कर भाग रही तीन नाबालिगों के अजमेर रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ द्वारा पकड़े जाने से हाथ आया। डीसीपी वेस्ट अमित कुमार ने बताया कि गैंग के सरगना चंचल सोनी उर्फ विनोद (34) पुत्र घनश्याम निवासी कोतवाली विदिशा मध्य प्रदेश व बदमाश आलोक कुमार (23) पुत्र शिव प्रताप निवासी माधोगढ़ जालौन उत्तर प्रदेश को अरेस्ट किया गया है। गैंग में शामिल नाबालिग लड़की को भी पकड़ा गया है।

लालच देकर 3 लड़कियों को घर से भगाया

सदर इलाके में रहने वाली एक नाबालिग लड़की गैंग के बदमाश आलोक के कहने पर आस-पास ही रहने वाली तीन नाबालिग सहेलियों को अपनी बातों में उलझाया। जयपुर, अजमेर और भोपाल घूमाने के साथ ही मोबाइल व गिफ्ट का लालच देकर घर छोड़कर भागने के लिए राजी किया। 25 अगस्त को तीनों को कैब से लेकर वह अजमेर रेलवे स्टेशन पर लेकर गई। वहां पर भोपाल जाने के टिकट के पैसे दिए और आलोक के मोबाइल नंबर देकर संपर्क करने की कहकर लौट आई। शक नहीं हो इसके लिए वह परिजनों के ढूंढने के दौरान वह उनके सामने ही घूमती रही।

महिला कांस्टेबल ने दिखाई सतर्कता

अजमेर रेलवे स्टेशन पर तैनात महिला पुलिस कांस्टेबल पिंकी जाट और हंसा कुमारी की देहव्यापार गैंग का पर्दाफास करने में अहम भूमिका रही है। दोनों महिला कॉन्स्टेबल के चलते तीन नाबालिग लड़कियां देहव्यापार में धकेले जाने से बच पाई है। गिरफ्तार आरोपी चंचल सोनी विदिशा मध्य प्रदेश में देहव्यापार का काम करता है। आरोपी चंचल सोनी के पास पिछले करीब 2 महीने से आलोक कुमार देहव्यापार के लिए लड़कियों की डिलीवरी व रिसीव करने का काम करता है। गिरफ्तार दोनों आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस ने ऐसे पकड़ी गैंग

घर से भगाने वाली 'दीदी' को पुलिस ने पकड़कर पूछताछ की तो उसने तीनों नाबालिग सहेलियों को देहव्यापार के लिए भोपाल में एजेंट आलोक के पास भेजना बताया। इस पर पुलिस टीम बनाकर वहां भेजी गई। 2 सितंबर को भोपाल के विदिशा में दबिश देकर आरोपी आलोक को पकड़कर जयपुर लाया गया। गैंग के सदस्य आलोक के पकड़े जाने का पता चलने पर सरगना चंचल जमानत के लिए 6 सितंबर को जयपुर पहुंच गया, जिसे रेलवे स्टेशन पर उतरते ही पुलिस टीम ने पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी चंचल ने बताया कि वह फ्लैट में दो-तीन लड़कियों को रखकर देह व्यापार कराता है।

15 लाख में किया था सौदा

डमी कैंडिडेट से परीक्षा दिलवाई और बन गया टीचर

बेधड़क | जयपुर

स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने डमी कैंडिडेट से परीक्षा दिलवाकर बने वरिष्ठ अध्यापक को अरेस्ट किया है। वरिष्ठ अध्यापक बनाने के लिए दो सब्जेक्ट के पेपर 15 लाख रुपए में देकर दो कैंडिडेट से सॉल्व करवाए थे।

SOG ने कोर्ट में पेश कर 11 सितम्बर तक रिमांड पर लिया है। एडीजी (एसओजी) वी.के.सिंह ने बताया- डमी कैंडिडेट बैठाकर वरिष्ठ अध्यापक बने परीक्षार्थी सुरत मीणा (40) पुत्र रामलाल मीणा निवासी बाटोदा सवाई माधोपुर को अरेस्ट किया गया है। राजस्थान लोक सेवा आयोग अजमेर की ओर से द्वितीय श्रेणी (माध्यमिक शिक्षा) प्रतियोगी परीक्षा-2022 में वरिष्ठ अध्यापक परीक्षा आयोजित की गई थी।

24 दिसम्बर-2022 को द्वितीय पारी में आयोजित विज्ञान विषय की परीक्षा और 29 जनवरी-2023 को अयोजित सामान्य ज्ञान और शैक्षिक मनोविज्ञान विषय की परीक्षा के लिए आरोपी सुरत मीणा ने डमी कैंडिडेट बैठाए थे। संगठित गिरोह के सक्रिय सदस्य के जरिए 15 लाख रुपए में पेपर सॉल्व करवाकर पास करवाने का सौदा तय किया था। दो डमी कैंडिडेट ने सामान्य ज्ञान व विज्ञान विषय की परीक्षा दी थी। दोनों विषयों की परीक्षा दिलवाकर आरोपी सुरत मीणा उत्तीर्ण हो गया। धोखाधड़ी पूर्वक वरिष्ठ अध्यापक (विज्ञान विषय) के पद पर चयनित हुआ था।

27 दिसम्बर-2023 में एसओजी जयपुर में दर्ज मामले में एसओजी ने जांच के बाद आरोपी सुरत मीणा को अरेस्ट किया। जिसे कोर्ट में पेश कर 11 सितम्बर-2024 तक एसओजी रिमांड पर लिया है। परीक्षा केन्द्र कोटा में आरोपी की जगह दोनों विषयों की परीक्षा देने वाले दो डमी परीक्षार्थी और 15 लाख रुपए लेकर डमी परीक्षार्थियों की व्यवस्था करने वाले आरोपी व अन्य शामिल सदस्यों की एसओजी तलाश कर रही है।

रोट तीज व्रत विधान का महा आयोजन

बहत्तर लक्ष्मीपति तीर्थंकरों को महाअर्घ अर्पित

बेधड़क | जयपुर

श्री महावीर खंडेलवाल दिगंबर जैन मंदिर आडूल में पहली बार रोट तीज व्रत विधान का महा आयोजन किया गया। इसमें आचार्य गुप्तिनंदी द्वारा रचित इस विधान में त्रिकाल चौबीसी के बहत्तर लक्ष्मीपति तीर्थंकरों को ल बहत्तर अर्घ व महाअर्घ अर्पित किए गए।

आचार्य गुप्तिनंदी, आर्यिका आस्थाश्री माताजी की संगीतमय महार्चना की गई। इस अवसर पर अनेक श्रावक-श्राविकाओं ने रोटतीज व्रत संपन्न किया। आचार्य गुप्तिनंदी जी ने त्रिलोक तीज व्रत का महत्व बताते हुए कहा कि यह एक दिन का व्रत हर किसी संसारी के लिए महत्त्वपूर्ण है। उन्होंने रोटतीज व्रत कथा का सार समझाते हुए कहा कि जिस सेठ के यहां पहले छप्पन करोड़ स्वर्ण मुद्राओं को दिखाने वाली छप्पन ध्वजायें फहराती थीं उसके परिवार ने धन के घमंड में मदहोश होकर रोटतीज व्रत का उपहास किया। उसे भूखे गरीबों का व्रत बताया। सेठानी ने लिया हुआ व्रत छोड़ दिया। इससे कुछ ही दिनों में वे कंगाल, फटेहाल हो गए। आचार्य ने कहा कि हमें कभी भी गरीब या गरीबी का तिरस्कार नहीं करना चाहिए।

रोटी का महत्त्व बताते हुए उन्होंने रोटी शीर्षक से स्वरचित कविता का ओजस्वी पाठ भी किया। दर-दर की ठोकर खाने के बाद जब उन्हें अपनी भूल का अहसास हुआ तो वे सभी सोलह प्राणी पूरी श्रद्धा से रोट तीज व्रत का पालन करते हैं तो रूठी हुई लक्ष्मी पुनः लौट आती है।

पुलिस कमिश्नरेट पर हुआ सम्मान कार्यक्रम

छह को कांस्टेबल ऑफ दी मंथ का अवॉर्ड

बेधड़क | जयपुर

पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने शुक्रवार को पुलिस कमिश्नरेट पर आयोजित कार्यक्रम में उत्कृष्ट सराहनीय मेहनत लगन एवं समर्पण से कार्य करने वाले छह पुलिसकर्मियों को कांस्टेबल ऑफ दी मंथ के अवार्ड से सम्मानित किया।

जोसफ ने बताया कि पुलिस का ध्येय वाक्य आमजन में विश्वास-अपराधियों में भय की भावना जनता में साकार हो एवं उन्हें त्वरित न्याय मिल सके। इसके लिए जयपुर पुलिस लगातार प्रयासरत है। कांस्टेबल ऑफ दी मंथ पुरस्कार से पुलिसकर्मियों के मनोबल में बढ़ोतरी के साथ-साथ पुलिसकर्मी बेहतर व सराहनीय कार्य करने के प्रेरित होंगे। कांस्टेबल ऑफ दी मंथ अवॉर्ड की शुरुआत मार्च माह से की गई थी। अगस्त माह 2024 कांस्टेबल ऑफ दी मंथ पुरस्कार जिला पूर्व पुलिस कांस्टेबल गौरव सोलंकी तकनीकी शाखा कार्यालय पुलिस उपायुक्त पूर्व, जिला पश्चिम के पुलिस कांस्टेबल इंसान पुलिस थाना बगरू, जिला उत्तर के भी पुलिस कांस्टेबल कानाराम पुलिस थाना ब्रहमपुरी,जिला दक्षिण के पुलिस कांस्टेबल राजेश कुमार पुलिस थाना मुहाना, पुलिस कांस्टेबल बहादुरमल यातायात शाखा दक्षिण, पुलिस कांस्टेबल नरेमा कार्यालय लेखा शाखा आयुक्तालय जयपुर को प्रदान किया गया।

महारानी कॉलेज में शक्ति वंदन...छात्राओं से बोलीं महापौर

अपने हाथों को अस्त्र-शस्त्र बनाकर हर बेटी बने योद्धाः डॉ. सौम्या गुर्जर

बेधड़क | जयपुर

महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने छात्राओं को कहा कि हम सब के अंदर शक्ति है, बस आवश्यकता उसे जागृत करने की है। अपने हाथों को अस्त्र-शस्त्र बनाकर शक्ति वंदन के माध्यम से हर महिला, बेटी योद्धा बने। महिलाओं को अब ललकार बनने की आवश्यकता है, अगर महिलाओं ने ठान लिया तो कुछ भी मुश्किल नहीं है। मेयर नगर निगम ग्रेटर द्वारा महिलाओं और बालिकाओं को मानसिक, सामाजिक, शारीरिक, डिजिटली रूप से मजबूत करने, उनका आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए शुक्रवार को महारानी कॉलेज में शक्तिवंदन 2.0 के तहत द्वितीय सत्र में संबोधित कर रही थीं। सत्र में छात्राओं को आत्मरक्षा के गुर सिखाए गए साथ ही मोटिवेशनल स्पीकर्स द्वारा आत्मविश्वास बढ़ाने के तरीके भी सिखाए। एडवोकेट द्वारा कानूनी प्रावधानों के बारे में भी बताया गया।

विपरीत परिस्थितियों में विवेक से लें निर्णय

महिला एवं बाल विकास समिति चेयरमैन डॉ. मीनाक्षी शर्मा ने इस अवसर पर कहा कि ईश्वर ने नारी को शक्ति देकर ही भेजा है। सोशल मीडिया के माध्यम से अपडेट रहिए। मार्शल आर्ट सिखिए और अपनी सुरक्षा में नख से सिख तक का उपयोग कीजिए। विपरीत परिस्थितियों में विवेक का उपयोग करते हुए निर्णय लीजिए।

छेड़ दे तो छोड़ती नहीं

महारानी कॉलेज की प्राचार्य प्रो. निमाली सिंह ने भी छात्राओं को संबोधित किया और शक्ति वंदन 2.0 के माध्यम से आत्मरक्षा प्रशिक्षण लेने के लिए प्रेरित किया। मोटिवेशनल स्पीकर मोनिका पालीवाल ने 'मैं किसी को छेड़ती नहीं, अगर छेड़ दे तो छोड़ती नहीं' कविता सुनाकर छात्राओं का मनोबल बढ़ाया। शिविर में एडवोकेट इतिक्षा शर्मा, स्वाति अग्रवाल, मनोवैज्ञानिक वितिक्षा शर्मा ने भी अपने विचार रखे।

जरूरी खबर

33 साल बाद पट्टा मिलने पर गुर्जर समाज में खुशी

चाकसू। भाजपा की राष्ट्रीय मंत्री डॉ. अलका गुर्जर ने यहां देवनारायण मंदिर जोधपुरियां धाम जाने वाली पदयात्रा के महासंगम कार्यक्रम में शिरकत की। विधायक रामावतार बैरवा के द्वारा चाकसू में वीर गुर्जर छात्रावास का 33 साल बाद नगरपालिका से पट्टा दिलवाने पर समाजबंधुओं ने खुशी जाहिर की। डॉ. अलका गुर्जर ने समाज के लोगों को छात्रावास का पट्टा संभलाया। इस दौरान विधायक रामावतार बैरवा, कोटपुतली विधायक हंसराज पटेल ने यात्रा में ध्वज पूजन स्वागत किया। कार्यक्रम में पूर्व मंडी चेयरमैन कैलाश शर्मा, मंडल अध्यक्ष रामधन सैनी, गुर्जर समाज अध्यक्ष राम सहाय रावत, लालाराम धाकड़, पूर्व चेयरमैन राजेंद्र गुर्जर, मीडिया प्रभारी कैलाश गुर्जर आदि मौजूद थे।

ईको फ्रेंडली गणेश जी प्रतिमा बनाने पर कार्यशाला

चाकसू। शुक्रवार को गणेश चतुर्थी के उपलक्ष्य में मानव ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन के संयुक्त तत्वाधान में मिट्टी से इको फ्रेंडली गणेश जी की प्रतिमा का निर्माण करने के लिए एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में गणेशजी की प्रतिमा का निर्माण मिट्टी से पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए मिट्टी के गणेशजी को विराजित करने की सीख दी गई। कार्यशाला के शनिवार को गणेश चतुर्थी को गणपति बप्पा को पूर्व राज्यमंत्री विकेश खोलिया के मुख्य आतिथ्य में स्थापित किया जाने पर भव्य समारोह का आयोजन रखा गया है।

रिटायर्ड फौजी ने परिवार-पुलिस पर चलाई गोली

नागौर। शहर के शारदापुरम इलाके में एक रिटायर्ड फौजी ने बीती रात जमकर उत्पात मचाया। भूमि विवाद के चलते रिटायर्ड फौजी ने पहले पड़ोस में ही रह रहे भाई-भाभी पर फायरिंग कर उन्हें घायल कर दिया। इसके बाद पहुंची पुलिस ने जब उसे रोकने की कोशिश की तो पुलिसकर्मियों पर भी गोलियां बरसा दी। घटना में फौजी के भाई-भाभी, भतीजी, एक होमगार्ड जवान और 5 पुलिसकर्मी घायल हो गए। घायल दंपती को जोधपुर रैफर कर दिया गया। अन्य घायलों का नागौर जिला अस्पताल में इलाज जारी है। पुलिस ने फायरिंग करने वाले रिटायर्ड फौजी को हिरासत में लिया है।

जोधपुर में भारतीय वायु सेना का 'तरंग-शक्ति' जारी, फाइटर विमानों ने आसमान में दिखाए करतब

हॉक्स विमानों से तिरंगा बनाकर दिखाई देश की ताकत

बेधड़क | जोधपुर

जोधपुर एयरफोर्स स्टेशन पर भारतीय वायु सेना का सबसे बड़ा अभ्यास 'तरंग-शक्ति' चल रहा है। एक्सरसाइज के 8वें दिन शुक्रवार को फुल ड्रेस रिहर्सल की गई।

आसमान में छाए काले बादल के कारण रिहर्सल अपने शेड्यूल टाइम से आधा घंटा देरी से शुरू हुई। मौसम साफ होने पर अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और ग्रीस के एयरक्राफ्ट के साथ ही भारत के तेजस, सुखोई-30 और जगुआर ने उड़ान भरी। जोधपुर के डोमेस्टिक एयरपोर्ट पर भी यात्रियों ने विमानों

को अपने मोबाइल में कैद किया। सूर्यकिरण के हॉक्स विमान भी उड़ने थे, लेकिन बादलों के कारण उड़ान नहीं हुई। 7 सितंबर को ओपन डे रखा गया है। इस दिन वायुसेना की इवेंट टीम एयर वॉरियर ड्रिल टीम हाथ में राइफल लेकर म्यूजिक पर परफॉर्मेंस देगी।

हेलिकॉप्टर प्रचंड और ध्रुव भी आए नजर

एक्सरसाइज में शुक्रवार को फुल डे रिहर्सल के दौरान अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और ग्रीस के एयरक्राफ्ट के साथ ही भारत के तेजस, सुखोई-30 और जगुआर ने उड़ान भरी। विदेशी विमानों को देखकर लोग काफी रोमांचित हुए। इसके अलावा स्वदेशी लाइट कॉम्बैट हेलिकॉप्टर प्रचंड और ध्रुव ने कलाबाजी दिखाई। वहीं लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट तेजस ने भी हवा में रोटेट होकर अलग-अलग फॉर्मेशन में कलाबाजियां दिखाकर रोमांचित किया। तेजस करीब 10 मिनट तक आसमान में रहा। एक्सरसाइज में सूर्यकिरण के हॉक्स विमानों को भी शामिल होना था, लेकिन मौसम साफ नहीं होने से ऐसा नहीं हुआ। आसमान में छाए काले बादलों के कारण सूर्यकिरण विमानों ने उड़ान नहीं भरी। मौसम साफ होने पर सूर्यकिरण विमानों ने उड़ान भरी और आसमान में तिरंगा बनाया। तब तक रिहर्सल पूरी हो चुकी थी। रिहर्सल के बाद रूटीन प्रैक्टिस के दौरान सूर्यकिरण विमानों ने उड़ान भरी थी।

तरंग-शक्ति 2024 का दूसरा फेज

तरंग-शक्ति 2024 का ये दूसरा फेज है। इससे पहले 6 से 14 अगस्त तक तमिलनाडु के सुलार में इसका पहला फेज पूरा हुआ था। इसमें 30 देशों के वायुसेना के जवान शामिल हुए थे। जोधपुर में हो रही इस एक्सरसाइज के दूसरे चरण में भारत, अमेरिका, ग्रीस, यूएई, ऑस्ट्रेलिया, जापान, सिंगापुर, श्रीलंका की वायुसेना के जवान एयर-टू-एयर और एयर-टू-ग्राउंड एक्सरसाइज कर रहे हैं।

12 देशों के एयर फोर्स चीफ जोधपुर आएंगे

12 सितंबर को 12 देशों के एयर फोर्स चीफ जोधपुर आएंगे। पहली बार जोधपुर के आसमान में दुनिया की सबसे शक्तिशाली अमेरिकी एयरफोर्स चीफ जनरल डेविड डब्ल्यू एल्विन तेजस उड़ाएंगे। इसके अलावा ऑस्ट्रेलियन एयरफोर्स चीफ एयर मार्शल स्टीफन चैपल, जापानी एयर सेल्फ डिफेंस फोर्स के चीफ जनरल हिरोआकी उच्कुरा, यूएई डिफेंस फोर्स के चीफ ऑफ स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल इस्सा अल मजरूई और भारतीय वायुसेना प्रमुख एयर मार्शल वीआर चौधरी एक-दूसरे देश के लड़ाकू विमान उड़ाएंगे।

अजमेर में चार इंच से अधिक बारिश, जनजीवन हुआ प्रभावित

डेढ़ दर्जन कॉलोनी में भरा पानी तीन लोगों की बहने से मौत

बेधड़क | अजमेर

जिले में मूसलाधार बारिश का दौर जारी है। शुक्रवार को सुबह लेकर दोपहर तक 4 इंच तक बारिश हुई। वहीं देर शाम तक रिमझिम बारिश होती रही। बारिश के चलते कई निचली बस्तियों में पानी भर गया। आनासागर में भी पानी की अधिक आवक होने से तीन गेट खोले गए हैं। इसी तरह पुष्कर सरोवर के डूब क्षेत्र में बनी होटलों को भी खाली करवाया गया । यहां 2 से 3 फिट पानी भर गया है।

इधर, नसीराबाद में डाई नदी में किसान बह गया। वहीं, विजयनगर के लोरडी बांध की रपट में डूबने से दो लोगों की मौत हो गई। जिले के अधिकांश बांध और तालाब लबालब होकर छलक रहे हैं। अजमेर में शुक्रवार को मुसलाधार बारिश ने जनजीवन को प्रभावित कर दिया। हालात यह है कि सुबह 8 बजे से लगातार बारिश का दौर जारी है। दोपहर 2 बजे तक अजमेर में 4 इंच बारिश हो चुकी थी। शहर की कई सड़के दरिया बन गई। कहीं निचली बस्तियों में पानी भर गया। पानी की निकासी नहीं होने के कारण कई क्षेत्रों में पानी घरों में घुस गया। इससे लोगों का घरेलू सामान बारिश के पानी से खराब हो गया।

फॉयसागर रोड स्थित कई कॉलोनियां जलमग्न हो गई है, जहां रेस्क्यू करके लोगों को सुरक्षित स्थान पर भेजा गया है। इसी तरह सागर विहार कॉलोनी में 2 से 3 फीट पानी भर गया है। समीप ही साहू का कुआं क्षेत्र में भी लोगों के घरों में पानी घुस गया है। दरअसल फॉयसागर और आनासागर में तेजी से पानी की आवक हो रही है। इस कारण फॉयसागर पर 8 इंच की चादर चल रही है। इस कारण बांडी नदी भी उफान पर है। नदी क्षेत्र में बसी कॉलोनियों में नदी का पानी घुस गया है। इनमें डिफेंस कॉलोनी, हाथी खेड़ा, राज कॉलोनी, बोराज, काजीपुरा समेत एक दर्जन से अधिक कॉलोनियों में पानी भर गया है। फॉयसागर रोड पर आवागमन में काफी परेशानी का सामना लोगों को करना पड़ रहा है। इसी तरह चौपाटी से लेकर क्रिश्चियन गंज मंदिर तक भी आना सागर झील का पानी अपना दायरा लांघकर सड़क पर आ गया है। झील से लगातार पानी की निकासी आना सागर एस्केप चैनल में की जा रही है।

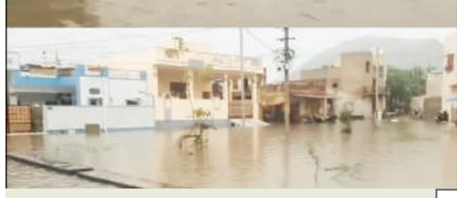

आनासागर झील के खोले तीन गेट

जल संसाधन विभाग में अधिशासी अधिकारी सत्येंद्र मीणा ने बताया कि आनासागर झील के तीन गेट खोले गए हैं। झील के पानी के लगातार हो रही निकासी से एस्केप चैनल भी उफान पर है। इधर नगर, गुलाब बड़ी, आम का तालाब, बिहारीगंज, सुभाष नगर की सड़कें दरिया बनी हुई है। वहीं, अजमेर उत्तर क्षेत्र में प्रताप नगर, लोहाखान, हरिजन बस्ती आदि क्षेत्र में नालों के उफान मारने से सड़के जलमग्न हो गई है। खास बात यह है कि अधिक बारिश के कारण सड़कों पर सीवरेज के चैंबर से भी पानी उफान मारता नजर आया।

ग्रामीण क्षेत्रों में भी जमकर बरसे मेघ

ग्रामीण क्षेत्र नसीराबाद में भी जमकर बारिश हुई है। यहां डाई नदी उफान पर है। नदी में एक किसान के बहने की सूचना है। फिलहाल किसान को खोजने के प्रयास किए जा रहे हैं। इधर, ब्यावर जिले के विजयनगर क्षेत्र में लोरडी बांध की रपट में दो लोगों के बहने से मौत हो गई। दोनों के शव निकाल लिए गए हैं। शवों का पोस्टमार्टम करने के बाद परिजनों को सुपुर्द कर दिए गए हैं। मसूदा विधायक वीरेंद्र सिंह ने शौक संतृप्त परिवार के घर पहुंच कर उन्हें सांत्वना दी।

पुष्कर के डूब क्षेत्र से होटलों को करवाया गया खाली

इधर पुष्कर में भी मूसलाधार बारिश हुई है। पुष्कर सरोवर के डूब क्षेत्र में बनी होटलों में पानी घुस आया है। स्थानीय प्रशासन ने डूब क्षेत्र में बनी करीब डेढ़ दर्जन से अधिक होटलों को खाली करवाया है। सरोवर में पानी की आवक फीडर से हो रही है। नाग पहाड़ी पर कई जगह झरने फूट पड़े हैं। पहाड़ों से आ रहे बरसाती नालों के कारण कई जगह से पुष्कर घाटी पर सड़क क्षतिग्रस्त हो गई है।

किशनगढ़ में भी तालाब लबालब

किशनगढ़ क्षेत्र में भी तेज बारिश ने रोजमर्रा के कामकाज की गति को धीमा कर दिया है। किशनगढ़ के अराई क्षेत्र में तालाब लबालब हो गए हैं। क्षेत्र में कई रिहायशी जगहों पर पानी भर गया है। इसी तरह से रूपनगढ़, मदनगंज, किशनगढ़ में भी तेज बारिश ने जनजीवन को प्रभावित किया है।

जलभराव वाले क्षेत्रों का विधानसभाध्यक्ष ने किया निरीक्षण

अजमेर में भारी बारिश और विभिन्न क्षेत्रों में जलभराव के बाद विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी शुक्रवार को पूरा दिन क्षेत्र में निरीक्षण करते रहे। उन्होंने अधिकारियों के साथ जलभराव वाले इलाकों का निरीक्षण किया और आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने जिला प्रशासन और पुलिस को 24 घण्टे खासकर रात्रि में अलर्ट रहने को कहा। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने निर्देश दिए कि जिला प्रशासन जलभराव वाले क्षेत्रों में पम्प सेट चालू करके पानी निकाले। जिल इलाकों में लोग फंसे हैं, वहां राहत पहुंचाए। एनडीआरफ और बाढ़ बचाव से संबंधित सभी विभाग 24 घण्टे अलर्ट रहें। रात में किसी भी तरह की परेशानी सामने आने पर तुरंत वहां पहुंचे और आमजन को राहत दें।

स्कूलों में दो दिन का अवकाश घोषित

अत्यधिक बाढ़ एवं बारिश की सम्भावना को देखते हुए अजमेर जिले के विद्यालयों में 7 एवं 8 सितम्बर को अवकाश घोषित किया गया है। कार्यवाहक जिला मजिस्ट्रेट गजेन्द्र सिंह राठौड़ ने बताया कि मौसम विभाग एवं अन्य अभिकरणों द्वारा अजमेर जिले के लिए अत्यधिक बारिश एवं बाढ़ की सम्भावना का अलर्ट जारी किया गया है। विद्यार्थियों को सम्भावित अनहोनी घटना से बचाने एवं व्यापक विद्यार्थी हित और स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए जिले के समस्त राजकीय एवं गैर राजकीय विद्यालयों के कक्षा प्रथम से 12वीं तक के समस्त विद्यार्थियों के लिए शनिवार 7 सितम्बर एवं रविवार 8 सितम्बर को पूरी तरह से अवकाश रहेगा। उन्होंने बताया कि यह अवकाश केवल विद्यार्थियों के लिए लागू होगा।

57 लाख 60 हजार भुगतान का मामला

कलेक्ट्रेट के कुर्की के आदेश तामिल करने गए तो निकाला बाहर

बेधड़क | कोटा

साल 2008 के चुनाव में लाइट का काम करने वाली फर्म का 57 लाख 60 हजार रुपए बकाया भुगतान नहीं करने पर वाणिज्य कोर्ट ने जिला कलेक्ट्रेट कार्यालय को कुर्की जब्ती के आदेश दिए। शुक्रवार को जब जब्ती के आदेश को स्पेशल सेल अमीन तामिल करने गए तो उन्हें और उनके साथ मौजूद पीड़ित परिवार को कलेक्ट्रेट में घुसने नहीं दिया और बाहर निकाल दिया गया।

स्पेशल सेल अमीन सत्यनारायण पनवाड़ ने बताया कि वाणिज्य कोर्ट में नलिनी राठी बनाम स्टेट जरिए जिला कलेक्टर मामला चल रहा था। इसमें जिला कलेक्टर व अतिरिक्त जिला कलेक्टर से फर्म को पैसा दिलाना था। इस मामले में राशि के भुगतान के लिए अगस्त 2024 को कलेक्ट्रेट कार्यालय की कुर्की और वाहन जब्ती का कोर्ट की ओर से आदेश निकला था। इस वारंट को लेकर वो जब कलेक्ट्रेट कार्यालय गए तो अधिकारियों ने वारंट लेने

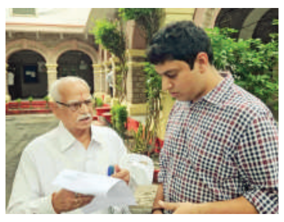

से इनकार कर दिया और हमें बाहर भेज दिया। उन्होंने बताया कि इस संबंध में हमने वापस रिपोर्ट कमर्शियल कोर्ट को सौंप दी है। इधर, फर्म की मालकिन नलिनी राठी के बेटे महिमन राठी ने बताया कि उनके पिता की फर्म डागा एंड सन ने साल 2008 के चुनाव में लाइटिंग का काम किया था। इसका पैसा जिला कलेक्ट्रेट से रुका हुआ था। उसके पिता की डेथ के बाद उनकी फर्म मां नलिनी राठी के नाम हो गई। इसका केस कमर्शियल कोर्ट में चल रहा था। जिस पर फैसला आने के बाद 57 लाख 60 हजार रुपए कलेक्ट्रेट कार्यालय की ओर से फर्म को देने थे। यह पैसा जमा नहीं कराने पर कुर्की वारंट निकला था।

रेस्क्यू कर रहे स्नेक कैचर पर किया हमला

अजगर ने नीलगाय को निगला

बेधड़क | ब्यावर

जिले के रायपुर उपखंड के बर गांव के निकट स्थित शिकारबाड़ी के पीछे 15 फीट लंबे विशालकाय अजगर ने करीब 20 किलो वजनी नील गाय के बछड़े को निगल कर निशाना बनाया। बछड़े को निगलने के बाद अजगर झाड़ियों में छिपकर बैठा रहा। एक भैंस के अनजाने में अजगर के समीप जाने पर खतरा महसूस होने पर अजगर ने भैंस पर हमला कर दिया, लेकिन किसी तरह से भैंस वहां से भाग निकली।

भैंस को भागते देख एक चरवाहे ने मौके पर जाकर देखा तो वहां झाड़ियों में इस विशाल अजगर को देखा। अजगर का पेट पूरी तरह से फुला था। इस पर चरवाहे के मुंह से चीख निकल गई। चरवाहे की चीख सुनकर अन्य चरवाहे भी मौके पर पहुंच गए। इसके बाद ग्रामीण भी अजगर को देखने के लिए जंगल क्षेत्र में एकत्रित हुए। इधर, ग्रामीणों ने इसकी सूचना सेंदड़ा वन रेंज के अधिकारी राजेंद्र कुमार कसाना को दी। इस पर उन्होंने स्नेक कैचर सुरेंद्र सिंह को मौके पर भेजा। इस दौरान स्नेक कैचर ने वन विभाग के कर्मियों और ग्रामीणों की मदद से अजगर का रेस्क्यू किया।

प्रबंध निदेशक केपी वर्मा ने ली अजमेर डिस्कॉम के 17 जिलों के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक

राजकाज से फाइल प्रस्तुत नहीं करने वाले कार्मिकों को मिलेगी चार्जशीट

बेधड़क | अजमेर

अजमेर विद्युत वितरण निगम लि. के पंचशील स्थित मुख्यालय पर अजमेर डिस्कॉम के क्षेत्राधीन 17 जिलों की वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक प्रबंध निदेशक की अध्यक्षता में आयोजित हुई।

बैठक के दौरान प्रबंध निदेशक ने सभी अधीक्षण अभियंताओं को निर्देश दिए कि प्रत्येक अधीक्षण अभियंता हर दो माह में एक 33 केवी के फीडर की कार्यप्रणाली में सुधार कर उसे आदर्श बनाए। इस तरह एक वर्ष में कुल 119 फीडरों को आदर्श बनाया जाएगा। वर्मा ने अधीक्षण अभियंताओं को निर्देश दिए कि वे सभी कार्मिकों द्वारा राजकाज के माध्यम से ही फाइल प्रस्तुत करवाना सुनिश्चित करें। जो

राजकाज का उपयोग नहीं करेगा उस कार्मिक पर अनुशासनात्मक कार्यवाही कर उसे चार्जशीट प्रदान करने की कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। बैठक के दौरान प्रबंध निदेशक केपी वर्मा ने निर्देश दिए कि उपभोक्ताओं को डिमांड नोट समय पर जारी करना सुनिश्चित करें। डिमांड नोट समय पर जारी नहीं करने वाले अधिकारियों को एमडी केपी वर्मा ने फटकार भी लगाई। अगर भविष्य में समय पर डिमांड नोट जारी नही हुआ तो संबंधित अधिकारी व कर्मचारी के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही अमल में लायी जाएगी। उन्होंने कहा कि बजट घोषणा के तहत बनाये जा रहे 33/11 केवी के जीएसएस के कार्यो में तेजी लाकर उसे समयबद्ध पूरा करें। चित्तौड़गढ़, राजसमंद तथा सलूम्बर सर्किल द्वारा राजस्व वसूली में पिछड़ने पर उन्हें राजस्व वसूली में तेजी लाने के निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान प्रबंध निदेशक ने 33 केवी जीएसएस मेंटेनेंस, एफआरटी, डिजिटल पावर मैप सहित अन्य विषयों पर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक के दौरान पंचशील स्थित मुख्यालय पर निदेशक तकनीकी मुकेश चंद बाल्दी, मुख्य लेखा नियंत्रक एम. के.गोयल, मुख्य अभियंता एम एल मीणा, अशोक कुमार, गोपाल चतुर्वेदी, टीए टू एमडी राजीव वर्मा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

101 प्रतिशत हो राजस्व वसूली और 10 प्रतिशत से कम छीजत

वर्मा ने बैठक में अधिकारियों से कहा कि इस वित्तीय वर्ष में हमारा लक्ष्य 101 प्रतिशत राजस्व वसूली तथा विद्युत छीजत को 10 प्रतिशत से कम पर सीमित करना है। इसके लिए जरूरी है कि हम अभी से अपने लक्ष्यों की प्राप्ति में जुट जाएं। उन्होंने सीकर व झुंझुनूं सर्किल द्वारा लोक अदालत के माध्यम से कई लंबित मामलों का निस्तारण कर राजस्व वसूली करने पर उनकी प्रशंसा करी। वर्मा ने अधीक्षण अभियंताओं से कहा कि वे ट्रांसफार्मर फेल होने के कारणों का पता लगाएं तथा उसे रिपेयर करने की भरसक कोशिश करे।

अभियंता माह में दो दिन अपने क्षेत्राधीन स्टोर का करें निरीक्षण

उन्होंने सभी अधीक्षण अभियंता माह में दो दिन अपने क्षेत्राधीन स्टोर कार्यालय का एसीओएस के कार्य का आकलन और प्रत्येक फीडर पर लोड बैलेंसिंग को कहा।

बैठक के दौरान इन विषयों पर की गई विस्तृत चर्चा

- अगस्त-24 माह तक एटीएंडसी हानियाँ (वितरण हानियाँ, 33 केवी वोल्टेज स्तर हानियाँ और संग्रहण दक्षता) ।
- थ्री-फेज और सिंगल फेज ट्रांसफार्मर की विफलता दर कम करें और जले हुए वितरण ट्रांसफार्मरों का प्रतिस्थापन।
- कृषि कनेक्शन जारी करने की प्रगति।
- पीएचईडी, जेजेएम, डीएल, एनडीएस, बीएसएनएल श्रेणी के कनेक्शन जारी करने की प्रगति ।
- समय पर डीएन जारी करने और औद्योगिक कनेक्शन जारी करने की प्रगति ।
- पीएम सूर्य-घर योजना की स्थिति और पीएम-कुसुम (फीडर लेवल सोलराइजेशन) की स्थिति ।
- आरडीएसएस कार्यों और अन्य कार्यों की प्रगति जहाँ टीडब्ल्यू/प्रोजेक्ट विंग द्वारा कार्य आदेश जारी किए गए हैं ।
- 8. बजट घोषणा के तहत शामिल कार्यों की स्थिति।
- 9. लंबित कार्य आदेश (डिपॉजिट कार्य/निगम कार्य । 33 और 11 केवी इंटरकनेक्शन) ।
- 10. रबी सीजन के दौरान बिजली आपूर्ति के लिए आकस्मिक वृद्धि कार्य।
- 11. एफएमएस और कॉल सेंटर के माध्यम से आपूर्ति की निगरानी।

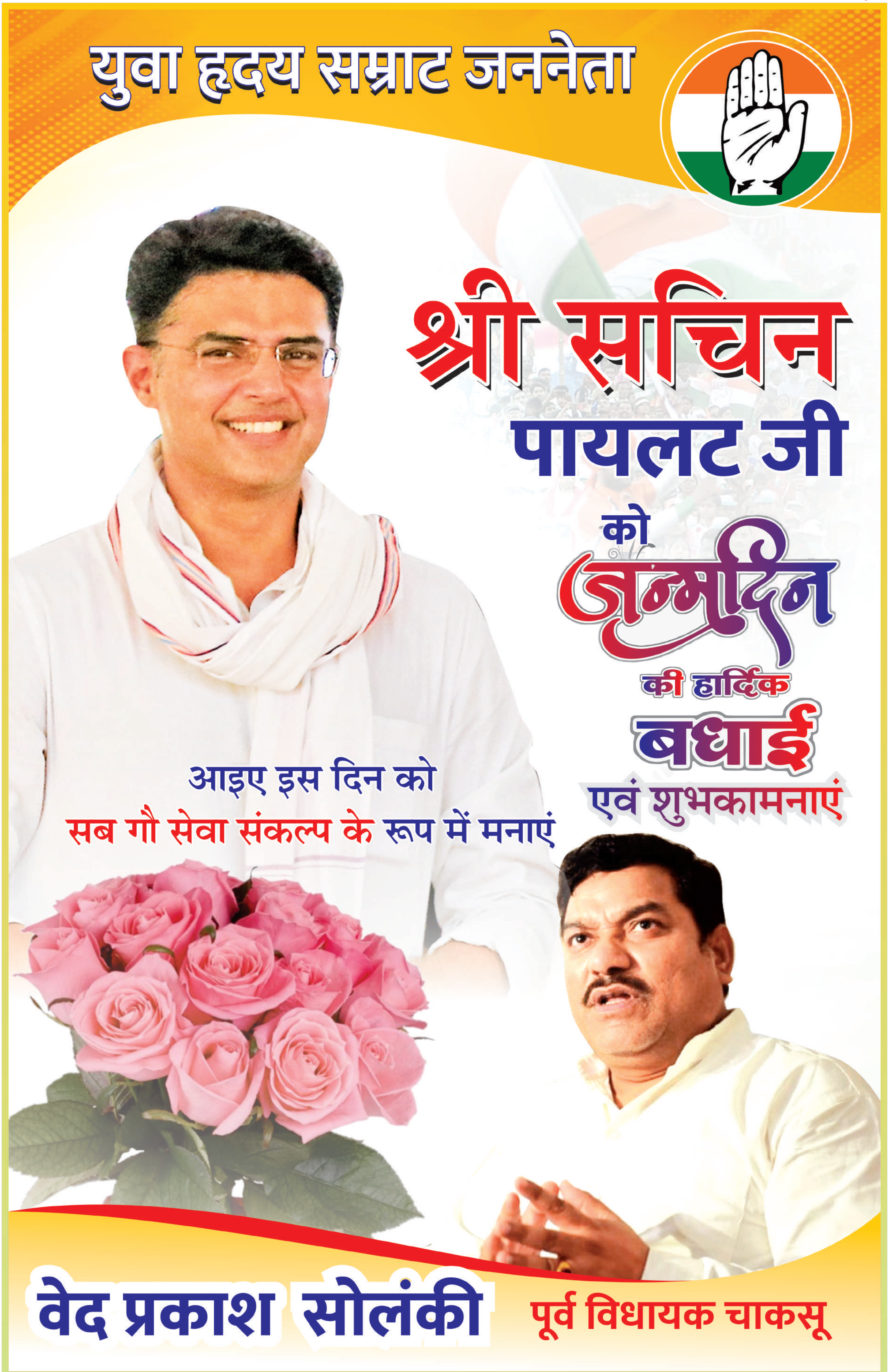
युवा हृदय सम्राट जननेता
श्री सचिन
पायलट जी
को
जन्मदिन
की हार्दिक
बधाई
एवं शुभकामनाएं
आइए इस दिन को
सब गौ सेवा संकल्प के रूप में मनाएं
वेद प्रकाश सोलंकी
पूर्व विधायक चाकसू

सच बेधड़क

कीर्ति स्तम्भ

दशरथ मालावत

सुख... सागर... संतोष

सुख की चाह आज के समय में सर्वाधिक है। सुख के अपने-अपने अर्थ तथा भावार्थ रहे हैं। व्यक्ति सुखी होने के लिए सदैव प्रयत्न और प्रार्थना करता रहता है। उत्तम स्वास्थ्य, परिवार में खुशी, श्रेष्ठ धनोपाजर्न तथा गुणवान मित्र, अच्छा आवास, भौतिक सुख-सुविधाओं को सुख का आधार मानकर वर्तमान में सभी जी रहे हैं।

इसके विपरीत जो सुख भौतिक संसाधनों से मिलता है वह अस्थाई व क्षणिक है। उक्त सुख की अवधारणा भौतिक संसाधनों से सुखी होने तक सीमित है। आत्मिक सुख इससे कहीं अधिक व्यापक एवं श्रेष्ठ है। यदि व्यक्ति शारीरिक रूप से स्वस्थ है और मानसिक रूप से विचलित है तो वह कभी सुखी नहीं रह पाएगा। आर्थिक रूप से समृद्ध है, परंतु आत्मिक रूप से कंगाल है तो सुखी नहीं कहलाएगा। श्रेष्ठ आवास में निवास करता है या व्यक्ति के मित्रगण अच्छे हैं परंतु उस आवास में शांत चित्त से रह नहीं पाता, परिजनों व मित्रगणों से नित्य विवाद होता है तो सुख अस्थाई होकर रह जाता है। उसकी मानसिक वेदना धीरे-धीरे उस व्यक्ति को घेर लेती है। सुख सागर के समान गहरा हो, जो खारे पानी को अपने पास रखकर सूर्य ताप के बाद निर्मल जल भिन्न-भिन्न धारणा व अवधारणाओं को नदी जल की तरह अपने अंतर में समाकर ज्वार भी आए तो उसको उसी समय शांत कर स्थिर स्वभाव से सागर स्थाई सुख की परिकल्पना का मूर्तमान उद्धरण प्रस्तुत करता है। मानसिक वेदनाएं तथा वैचारिक उथल-पुथल सागर में ज्वार की तरह देखी जा सकती है, परंतु शांत स्वभाव से रहने वाला व्यक्ति सागर की तरह गहराई लिया हुआ तथा समस्त कष्ट में खारेपन को सहज ही अपने अंतर में धारण करने की शक्ति रखता है, वहीं आत्मिक रूप से सुखी होता है।

आत्मिक रूप से सुखी होने के लिए आत्म सुखायः जगत सुखायः की अवधारणा को अपनाता है, तभी व्यक्ति यथार्थ में सुखी बनता है। आसपास सभी दुखी हों तो भी व्यक्ति का सुख स्थाई नहीं हो सकता, समस्त भौतिक समृद्धि के बाद यदि किसी समाज में क्रोध, लोभ लालच, भेदभाव तथा आसपास का वातावरण पीड़ा और वेदना से भरा हुआ है तो व्यक्ति सुखी कैसे रह सकता है? इसलिए व्यक्ति स्वयं अपनी आत्म चेतना को जगाए, सुख को सागर की तरह स्थिर व गहरा बनाए पर उपकार को अपना धर्म माने, वह स्वयं के साथ परिवार, पड़ोस-परिवेश, आसपास तथा समग्र राष्ट्र व जगत में सुख की परिकल्पना लेकर चलता है तो वह इन भौतिक संसाधनों के सुख से ऊपर उठकर सदैव सुखी रहने में सक्षम हो जाता है। कहावत प्रचलित है कि "संतोषी सदा सुखी"। इसलिए व्यक्ति जितनी इच्छाओं को सीमित रखेगा उतना ही उसके सुख का आधार मजबूत होगा, जिसके पास आत्म संतोष की पूंजी है वह व्यक्ति सबसे समृद्ध व सुखी होगा। इसीलिए कहते हैं -

संतोषी रहो स्वतःसुख
मिल जाएगा।
इच्छाएं सीमित हैं तो दुख
नहीं सताएगा।।

X

राहुल गांधी, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष
@RahulGandhi
प्रचार केंद्रित सरकारों ने अपनी झूठी छवि गढ़ने के लिए एक असंवेदनशील व्यवस्था को जन्म दिया है, जिसका सबसे बड़ा शिकार महिलाएं हो रही हैं। समय आ चुका है कि महिला सुरक्षा के लिए समाज के नैतिक उत्थान की दिशा में गंभीर प्रयास किए जाएं - सामाजिक, राजनीतिक और प्रशासनिक हर स्तर पर कड़े कदम उठाए जाएं। बेहतर नागरिक, बेहतर व्यवस्था को जन्म देता है और बेहतर व्यवस्था ही एक बेहतर समाज बनाती है।

भजनलाल शर्मा, मुख्यमंत्री, राजस्थान
@BhajanLalBJP
हमारी सरकार ने गौ संरक्षण के लिए व्यापक नीति तैयार की है, जिसके अंतर्गत गौशालाओं का आधुनिकीकरण, गौ-आधारित उत्पादों का प्रोत्साहन, एवं गौ-पालकों के लिए विशेष सहायता योजनाएं शामिल हैं। राज्य सरकार गौ वंश के समग्र कल्याण हेतु पूर्णतः प्रतिबद्ध है।

प. बंगाल: विधानसभा में दुष्कर्मियों को फांसी की सजा का कानून पारित

दुष्कर्म बनाम कानून दर कानून

प्रमोद भार्गव
वरिष्ठ साहित्यकार व पत्रकार

देश में अनेक कानूनी उपाय और जागरूकता अभियानों के बाबजूद बच्चों एवं महिलाओं से दुष्कर्म की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। दिल्ली में घटित निर्भया, हैदराबाद की महिला पशु चिकित्सक प्रियंका रेड्डी और अब कोलकाता के आरजीकर मेडिकल कॉलेज में एक प्रशिक्षु महिला डॉक्टर की दुष्कर्म के बाद हत्या के मामलों से यही प्रकट हुआ है कि जब सरकार और पुलिस कानून व्यवस्था के अमल में लाचारी का सामना करती है तो एक नए कथित कठोर कानून 'अपराजिता महिला-बाल सुरक्षा विधेयक' लाकर अपने कत्तव्य की इतिश्री कर लेते हैं। 2012 में घटित निर्भया कांड में प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार कठोर कानून लायी थी। इसे त्वरित न्याय का पर्याय भी माना गया था, लेकिन जब फांसी की सजा हुई तो उसे देने का कानूनी क्रिया-कर्म करने में पूरे आठ साल लग गए थे। हैदराबाद के मामले में तो पुलिस ने दुष्कर्म के चार आरोपियों को छह दिसंबर 2019 को घटना स्थल पर ले जाकर मुठभेड़ में मार गिरा दिया था। सुप्रीम कोर्ट के सेवा निवृत जज बीएस सिरपुरकर की अध्यक्षता वाले आयोग ने इस मुठभेड़ को फर्जी बताया था। अब पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी दुष्कर्म पर सरकार, कॉलेज और पुलिस प्रशासन की कमियों और गड़बड़ियों पर पर्दा डालने के लिए फांसी का कानून ले आईं। आनन-फानन में विधानसभा से पारित इस विधेयक में कहा गया है कि यदि दुष्कर्म के किसी मामले में पीड़िता की मौत हो जाती है, या फिर वह कोमा में चली जाती है तो अपराधी को फांसी दी जाएगी। इस कानून को लाने से पहले यह भी कहा गया था कि 10 दिन के भीतर दोशी को फांसी दे दी जाएगी। परंतु सामने आए कानून में इस समय सीमा का उल्लेख नहीं है। दरअसल समूची भारतीय न्याय व्यवस्था गढ़े गए ऐसे विकल्प और प्रतिविकल्पों का सामना करते हुए आगे बढ़ती है कि तय समय सीमा में न्याय संभव ही नहीं है।

> *समाजशास्त्री मानते हैं कि जहां कानूनी प्रावधानों के साथ सामाजिक दबाव भी होता है, वहां बलात्कार जैसी दुष्प्रवृत्तियां कम पनपती हैं। विडंबना है कि राजनीति का सरोकार समाज-सुधार से दूर हो गया है। यही वजह है कि भिन्न विचारधाराओं की राजनीति सत्ता के लिए जिस तरह एकमत हो जाते हैं, उसी तर्ज पर इस दुष्कर्म मामले में भी भिन्न धर्मों के लोग एक हो गए।*

देश में दुष्कर्म के सर्वाधिक मामलों के परिप्रेक्ष्य में अब्बल रहने वाला मध्य प्रदेश दुष्कर्म पीड़िताओं को त्वरित न्याय और फांसी की सजा का प्रावधान बहुत पहले कर चुका है। मध्य प्रदेश में ऐसा इसलिए संभव हो पाया था, क्योंकि तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चैहान इस तरह के मामलों में त्वरित न्याय की दृश्टि से सामूहिक दायित्व निर्वहन की भावना से काम लिया था। चैहान ने ही 12 वर्श से कम उम्र की बच्चियों के साथ दुष्कर्म के मामले में फांसी की सजा का प्रावधान किया था। बाद में इस कानून को अन्य राज्यों ने भी अपनाया और अब तो केंद्र सरकार ने भी नाबालिग बालिकाओं के साथ दुष्कर्म व हत्या के अपराध में फांसी की सजा का प्रावधान कर दिया है। बावजूद निचली अदालतों से सजा मिलने के बाद भी ऐसे मामलों में फांसी देने में विलंब हो रहा है। दुष्कर्म मामलों में त्वरित न्याय का सिलसिला चल निकलने के बाद भी महिलाओं व बालिकाओं से दुष्कर्म की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। एक अध्यादेश लाकर 12 साल से कम उम्र की बच्ची के साथ दुष्कर्म के दोषी को मौत की सजा और 16 साल से कम उम्र की किशोरी के साथ बलात्कार एवं हत्या के आरोपी को उम्रकैद की सजा का प्रावधान किया था। इस अध्यादेश ने कानूनी रूप भी ले लिया है। पॉक्सो कानून की धारा 9 के तहत किए गए प्रावधानों में शामिल हैं कि बच्चों को सेक्स के लिए परिपक्व बनाने के उद्देश्य से उन्हें यदि हार्मोन या कोई रासायनिक पदार्थ दिया जाता है तो इस पदार्थ को देने वाले और उसका भंडारण करने वाले भी अपराध के दायरे में आएंगे। इसी तरह पोर्न सामग्री उपलब्ध कराने वाले को भी दोषी माना गया है। ऐसी सामग्री को न्यायालय में सबूत के रूप में भी पेश किया जा सकता है। लेकिन देखा गया है कि अधिकतम मामलों में पुलिस ने कामवर्धक दवा और अश्लील सामग्री उपलब्ध कराने वालों के विरुद्ध कोई कार्रवाई नहीं की। दरअसल इस तरह की चीजें बच्चों से बाल्यावस्था छीनने का कारण बनते हैं। किशोर और युवा इनसे प्रेरित होकर किसी स्त्री के साथ अनर्थ कर डालते हैं। साफ है, यह सामग्री लोगों के शरीर ही नहीं आत्मा को भी छलनी कर रही है।

हालांकि पहले कानून से कहीं ज्यादा आदमी को धर्म और समाज का भय था। नैतिक मान-मर्यादाएं कायम थीं। किंतु इन्हें तार-तार करने का काम कुछ ऐसे कानूनों ने भी किया है, जिनके चलते रिश्तों की गरिमा लगभग खत्म हो गई है। नैतिक पतन के कई स्वरूप होते हैं, व्यक्तिगत, संस्थागत और सामूहिक। व्यक्तिगत पतन स्वविवेक और पारिवारिक सलाह से रोका जा सकता है। किंतु संस्थागत और सामूहिक चरित्रहीनता के कारोबार को सरकार और पुलिस ही नियंत्रित कर सकती है। दवा कंपनियां कामोत्तेजना बढ़ाने के जो रसायन और सॉफ्टवेयर कंपनियां पोर्न फिल्में बनाकर जिस तरह से इंटरनेट पर परोस रही हैं, उस पर काबू कानूनी उपायों से ही संभव है। पोर्न फिल्मों की ही देन है कि जैसे गली-गली में दुष्कर्मी घूम रहे हैं। समाजशास्त्री मानते हैं कि जहां कानूनी प्रावधानों के साथ सामाजिक दबाव भी होता है, वहां बलात्कार जैसी दुष्प्रवृत्तियां कम पनपती हैं। विडंबना है कि राजनीति का सरोकार समाज-सुधार से दूर हो गया है। उसकी कोशिश सिर्फ सत्ता में बने रहकर केवल उसका दोहन करना भर रह गया है। यही वजह है कि भिन्न विचारधाराओं की राजनीति सत्ता के लिए जिस तरह एकमत हो जाते हैं, उसी तर्ज पर इस दुष्कर्म मामले में भी भिन्न धर्मों के लोग एक हो गए।

स्त्री उत्पीड़न की ज्यादातर घटनां महानागरों के उन इलाकों में घट रही है, जहां समाज और परिवार से दूर वंचित समाज रह रहा है। ये लोग अकेले गांव में रह रहे परिवार की आजीविका चलाने के लिए शहर मजदूरी करने आते हैं। ऐसे मोबाइल पर उपलब्ध कामोत्तेजक सामग्री इन्हें भड़काने का काम करती है और ये चलती-फिरती बालिकाओं अथवा महिलाओं को बहला-फुसलाकर या उनकी लाचारी का लाभ उठाकर यौन उत्पीड़न कर डालते हैं। हैदराबाद की चिकित्सक के साथ घटी घटना की पृश्ठभूमि में लाचारी रही है। इनकी स्कूटी कम आबादी वाले इलाके में पंचर हो गई और इंसानियत के दुश्मन मदद के बहाने हैवानियत पर उतर आए। लाचार ने पालतू मवेशियों के इलाज की पढ़ाई तो की थी, लेकिन इंसानियत के भीतर निवास करने वाले जानवरों के न तो वह लक्षण जानती थी और न ही उनका उपचार करना जानती थी। इस घटना की पृश्ठभूमि में फैलता शहरीकरण और परिचितों से बढ़ती दूरियां भी रही हैं। यही वजह रही कि जिन दरिंदों की मति और मानवीयता जब मर रहे थे, तब उन्हें रोकने के लिए न तो कोई निकट मनुश्य था और न ही दरिंदों को ललकारने वाली कोई आवाज उठी ? जबकि रात बहुत गहरी नहीं हुई थी, केवल 9 बजे थे। लेकिन पेट्रोलिंग करने वाली गाड़ियों के सायरन भी इस वक्त मौन थे। कोलकाता की चीखें तो उसी अस्पताल में दब गई, जिसमें वह प्रशिक्षण ले रही थी।

अक्सर निर्भया या प्रियंका की चीखें जब मौन होकर राख में बदल जाती है तब देश में हर कोने से मोमबत्ती की टिमटिमाती ज्योति में दरिंदों को फांसी की सजा देने की मांग उठने लगती है। किंतु न्यायशास्त्र का सिद्धांत कहता है कि जीवन खत्म करने का अधिकार आसान नहीं होना चाहिए। इसलिए फांसी की सजा जघन्यतम या दुर्लभ मामलों में ही देने की परंपरा है। नतीजतन निचली अदालत से सुनाई गई फांसी की सजा पर अमल भी जल्दी नहीं होता। मप्र में 2018 में रिकॉर्ड 58 दोशियों को दुष्कर्म व हत्या के मामलों में फांसी की सजा सुनाई गई है, लेकिन एक भी सजा पर अमल नहीं हो पाया है। यह मामले उच्च, उच्चतम न्यायालय और राष्ट्रपति के पास दया याचिका के बहाने लंबित हैं। सभी जगह दोशी को क्षमा अथवा सजा कम करने की प्रार्थना से जुड़े आवेदन लगे हुए हैं। इन आवेदनों के निरस्ती के बाद ही दोशी का फांसी के फंदे तक पहुंचना मुमकिन हो पाता है। साफ है, ममता बनर्जी ने मध्यप्रदेश की तरह दुष्कर्म के मामले में कानून कठोर जरूर बना दिया है, लेकिन सजा देने की जो कानूनी संहिता के रूप में दर्ज परतें हैं, वे त्वरत सजा देने में बड़ी बाधा हैं। दुष्कर्म से जुड़े कानूनों को कठोर बना दिए जाने के बावजूद इस परिप्रेक्ष्य में क्रांतिकारी बदलाव नहीं आया है। पुलिस और अदालतों की कार्य-संस्कृति यथावत है। मामले तारीख दर तारीख आगे बढ़ते रहते हैं। कभी गवाह अदालत में पेश नहीं होते है तो कभी फोरेंसिक रिपोर्ट नहीं आने के कारण तारीख बढ़ती रहती है। गोया, इस बाबत न्यायिक व पुलिस कानून में सुधार की बात अर्से से उठ रही हैं, लेकिन हमारी सरकारों की प्राथमिकता में कानूनी सुधार की चिंता है ही नहीं? लिहाजा विशेष अदालतें गठित होने के भी सार्थक परिणाम नहीं आए हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

व्यंग्य

सावधान! गधे आ गए हैं...

पूरन सरमा
व्यंग्यकार

अब कुत्तों से ही नहीं, गधों से भी सावधान रहना है। यह अच्छी बात है कि लोग कुत्तों से पहले ही सावधान हैं। जहां तक गधों का प्रश्न है मैं उनसे सावधान रहने के लिए जन अभियान चला रहा हूं, क्योंकि गधों ने राष्ट्र का बहुत नुकसान किया है। लोग गधे को सिर्फ सीधा भोला-भाला जीव समझकर अपना समर्थन देते रहें, इसे मैं उचित नहीं मानता। गधों के मानसिक दिवालिएपन के कारण और उनकी सदैव चरते रहने की वृत्ति ने देश का सर्वनाश कर दिया है, इसलिए मैं इस मौसम में देशवासियों से खुली अपील करता हूं कि गधों से सावधान रहें। गधों के हिमायती सदैव यह तर्क देते रहे हैं कि गधे कुत्तों की तरह काटते नहीं है और काट लें तो उनको चौदह इंजेक्शन का प्रावधान नहीं है। गधे जितना खा रहे हैं तथा उससे जो लीद बन रही है, वह हमारी चिन्ता का बुनियादी कारण है। खाने की एक सीमा होती है। जब तक गधे सलीके से खाकर लीदते रहे, मुझे भी परेशानी नहीं रही, लेकिन जबसे उनकी खुराक में इजाफा हुआ है-मेरी चिंताएं सघन हो गई हैं तथा मैं गधों से देशवासियों को बचाने के लिए सजग हो गया हूं।

मेरे मित्र हैं मलूकदास। मेरी ही कॉलोनी में वर्षों से रह रहे हैं। आते रहते हैं अक्सर, लेकिन उस दिन आए तो बेहद उदास थे। गहन चिन्ता की लकीरें उनके माथे पर स्पष्ट रूप से देखी जा सकती थीं। मैं घबराया और बोला-'क्यों मलूकदास, क्या बात है? तुम कुछ परेशान से दिखायी दे रहे हो?' मलूकदास ने चिन्ता की लकीरों को और घना किया और बोला-'यार, कॉलोनी में गधों की संख्या निरन्तर बढ़ रही है। क्या तुम इस बात से चिंतित नहीं हो?' मेरे कान खड़े हो गए। दुखती रग पर हाथ धर दिया था मलूकदास ने। मैंने कहा-'मैं तो खुद परेशान हूं गधों से, सारा माल चट कर गए और सारे में गंदगी फैला दी है। हम दोनों मिलकर क्या कर सकते हैं?' मलूकदास ने जम्हाई ली, मुंह को पोंछा और कहा-'कर तो क्या नहीं सकते हम, लेकिन बाहर गधे जिस तादाद में बढ़ गए हैं उनके खिलाफ जेहाद में हमें कहीं मुंह की न खानी पड़ जाए।'

'तुम सही कह रहे हो शर्मा जी। इधर चुनाव सिर पर हैं और गधे पहले से ज्यादा रेंक रहे हैं। रात दिन रेंकते हैं। जीना हराम कर दिया है। मुझे भय है कहीं गधे पहले की तरह ही चुनाव जीत गए तो देश का रहा-सहा और बंटाढ़ार हो जाएगा। इधर गधों के प्रति जनता का क्रेज बढ़ रहा है। घोड़ों को कोई नहीं पूछता। क्या जमाना आ गया है गधे घोड़े का फर्क ही मिट गया है। घोड़ों की दुर्गति है।' मलूकदास वाकई गधों को लेकर खासे परेशान थे। मैंने कहा-'सुनिए मलूक, कॉलोनी से इनके निष्कासन का रास्ता निकालना जरूरी है। क्या ऐसा नहीं हो सकता कि हम गधों को समझाएं कि वे यह कॉलोनी छोड़कर अपना डेरा कहीं दूसरी जगह लगाएं।' समझाने की बात पर मलूकदास हंसे, बोले-'गधे ही समझते तो वे गधे क्यों होते, घोड़े नहीं बन जाते। मेरी राय में तो गधों के खिलाफ घोड़ों का नया मोर्चा तैयार कर उनके टक्कर में पूरी तैयारी के साथ उन्हें चुनाव मैदान में उतारा जाए। हो सकता है कि इस बार गधों को पटकनी दे ही दें।'

मलूकदास बोले-'गधों को देख नहीं रहे किस कदर फूलकर लाल हो रहे हैं। इनके पास अथाह चारा है तथा वोटर भी गधे हैं, वे वोटर को चारे का प्रलोभन देकर घोड़ो की जमानतें जब्त करवा सकते हैं। गधों से निजात मिलना बहुत कठिन है। गधे हमारी व्यवस्था की रग-रग में समा गए हैं, जिससे अंग-भंग होने का पूरा खतरा है। मेरे विचार से कोई और नयी चाल सोचनी चाहिए हमें गधों को हरवाने के लिए।'

मैं किंकर्तव्यविमूढ़ था। कुछ भी तो समझ में नहीं आ रहा था। मैं अनमनासा बोला-'क्या ऐसा नहीं हो सकता कि हर आवास के बाहर हम यह भी लिखवा दें की इस चुनाव में गधों से बचें तथा सावधान रहें। हो सकता हैं कि इसका फायदा घोड़ों को मिल जाए।' 'बात में दम तो है शर्मा तुम्हारी में, लेकिन गधे नाराज तो नहीं हो जाएंगे?' मलूकदास ने प्रश्न किया तो मैंने हंसकर कहा-'इसका मतलब तुम गधों से डरते हो, अब गधों से डरने का भय निकाल दो। इनके संगठन जो नित नए गठजोड़ कर रहे हैं, उससे लगता है इनका सफल होना संदिग्ध है। इधर हमारे घोड़े भी हिनहिना रहे हैं। ऐसे में इस रेस में घोड़ा, गधे को पीछे छोड़ सकता है।' मलूकदास गंभीरता से बोला-'ठीक है, हमें तैयारी पूरी रखनी चाहिए। गधे कितने ही सशक्त हों, लेकिन घोड़ों को चने की दाल खिलाकर चुनावी रेस में दौड़ाएं तो सफलता मिल जाएगी, लेकिन जन-जन से यही कहना कि वे गधों से सावधान रहें। हो सकता है कोई बात बन जाए। मुझे भी उनकी बात जंच गई और तबसे मैं भी इसी अभियान में लगा हूं कि गधों की पोजीशन किसी भी तरह से बन नहीं पाए, फिलहाल गधों से सावधान तो रहना ही है।

इप्टा को संगठित और खड़ा करने में लगा दिया पूरा जीवन

जाहिद खान
स्वतंत्र टिप्पणीकार

इप्टा के पूर्व राष्ट्रीय महासचिव निरंजन सेन के जन्मदिवस पर विशेष

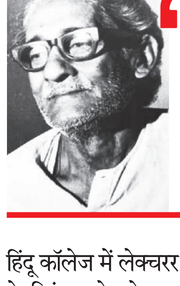

> *इप्टा की गतिविधियों के अलावा निरंजन सेन, सरकार विरोधी विभिन्न प्रदर्शनों में भी हिस्सा लेते। निरंजन सेन की कोशिशों का ही नतीजा था कि कम वक्त में ही दिल्ली की इप्टा इकाई से सैकड़ों लोग जुड़ गए। उनमें अद्भुत सांगठनिक गुण थे। बंगाल में अकाल के समय वे आगरा के सांस्कृतिक दल के साथ पंजाब गए और वहां कई कार्यक्रमों में हिस्सेदारी की।*

निरंजन सेन का इप्टा में एक अलग ही मुकाम है। उन्होंने इसे संगठित और खड़ा करने में अपनी पूरी जिंदगी कुर्बान कर दी। वे लंबे समय तक इप्टा के महासचिव पद पर रहे। इस दरमियान संगठन का पूरे देश में फैलाव हुआ। निरंजन सेन तालीम के दौरान ही क्रांतिकारी गतिविधियों में हिस्सा लेने लगे थे। इन कामों में वे हमेशा आगे-आगे रहते थे। आला तालीम के वास्ते निरंजन सेन कोलकाता के मशहूर प्रेसीडेंसी कॉलेज में दाखिला लेना चाहते थे। मगर क्रांतिकारी गतिविधियों में हिस्सा लेने की वजह से उन्हें यहां दाखिला नहीं मिला। मजबूरन निरंजन सेन ने सेंट जेवियर्स कॉलेज को चुना और यहीं से उन्होंने अपना ग्रेजुएशन पूरा किया। पढ़ाई के अलावा उनकी शुरू से ही गायन, वादन, संगीत और अभिनय में दिलचस्पी थी। हालांकि, उन्होंने इन विधाओं का कहीं कोई औपचारिक प्रशिक्षण नहीं लिया था। कॉलेज में निरंजन सेन ने रंगमंच को भी अपनाया। न सिर्फ़ ड्रामों में अदाकारी के जौहर दिखलाए, बल्कि उनका डायरेक्शन भी किया। अपनी आला तालीम के दौरान भी निरंजन सेन सियासी गतिविधियों से दूर नहीं रहे, बल्कि इन गतिविधियों में वे और ज्यादा सरगर्म हो गए। उनकी इन गतिविधियों की ब्रिटिश सरकार को सारी जानकारियां थीं। जब सरकार को यह लगा कि निरंजन सेन, ब्रिटिश हुकूमत के लिए खतरा हो सकते हैं, तो उन्होंने सेन को बंगाल से निष्कासित कर दिया। जाहिर है कि यह उनके लिए एक बड़ा झटका था। उन्हें अपनी मातृभूमि से अलग कर दिया गया। हुकूमत के इस हिटलरी फरमान के बाद, निरंजन सेन दिल्ली चले आए।

दिल्ली में भी निरंजन सेन खामोश नहीं बैठ गए। अब उन्होंने अपना ज्यादा से ज्यादा समय सामाजिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में देना शुरू कर दिया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों को उन्होंने एक आंदोलन की शक्ल दी। निरंजन सेन को लगता था कि रंगमंच वह माध्यम है, जिससे आम अवाम भी आसानी से जुड़ जाती है। और उसे सियासी पैग़ाम दिया जा सकता है। वे ड्रामों में अदाकारी से लेकर डायरेक्शन तक करते। इस दरमियान वे दिल्ली के हिंदू कॉलेज में लेक्चरर हो गए। इंकलाबी खयालात के निरंजन सेन ने साल 1940 में कम्युनिस्ट पार्टी की मेंबरशिप ले ली। उन्होंने अपनी सांस्कृतिक गतिविधियों में तेजी ला दी। साल 1940 से 1943 के दरमियान निरंजन सेन ने स्टूडेंट लीडर सरला गुप्ता, इंदु घोष, अमला और ट्रेड यूनियनों के कुछ साथियों के साथ मिलकर गायन और नाटक के कई जत्थे बनाए। इन जत्थों का एक अदद मकसद अवाम को मुल्क की आजादी के लिए बेदार करना था। इसके लिए कार्यक्रम आयोजित किए जाते। उनमें साम्राज्यवाद और साम्प्रदायिकता विरोधी नाटक और अवामी गीत पेश किए जाते। नाटकों के प्रदर्शन के दौरान भाषा की परेशानियों के मद्देनजर निरंजन सेन ने एक नई नाट्य विधा शैडो प्ले का ईजाद किया। बाद में उनके साथ प्रसिद्ध प्रकाश प्रभाव विशेषज्ञ तापस सेन भी जुड़ गए। तापस सेन और इंदु घोष के साथ मिलकर निरंजन सेन ने उस वक्त कई प्रभावी शैडो प्ले किए। जिसमें ज्यादा से ज्यादा जनता का जुड़ाव हुआ।

25 मई, 1943 को मुंबई में इप्टा के स्थापना समारोह में निरंजन सेन ने दिल्ली के कलाकारों के साथ हिस्सा लिया। मुंबई से लौटकर उन्होंने दिल्ली में इप्टा इकाई का गठन किया। उनकी लीडरशिप में इप्टा मिल मजदूरों के बीच नाटक खेलता। इप्टा की गतिविधियों के अलावा निरंजन सेन, सरकार विरोधी विभिन्न प्रदर्शनों में भी हिस्सा लेते। निरंजन सेन की कोशिशों का ही नतीजा था कि कम वक्त में ही दिल्ली की इप्टा इकाई से सैकड़ों लोग जुड़ गए। उनमें अद्भुत सांगठनिक गुण थे। बंगाल में अकाल के समय वे आगरा के सांस्कृतिक दल के साथ पंजाब गए और वहां कई कार्यक्रमों में हिस्सेदारी की। पंजाब से लौटकर उन्होंने हरीन्द्रनाथ चट्टोपाध्याय को कोलकाता भेजा। ताकि वे वहां एक सांस्कृतिक दल को प्रशिक्षित करें। इस सांस्कृतिक ग्रुप के साथ निरंजन सेन दिल्ली और पंजाब गए। 'भूखा है बंगाल' और 'बंगाल की आवाज' नाटकों का मंचन कर उन्होंने बंगाल के अकाल पीड़ितों के लिए चंदा इकट्ठा किया। निरंजन सेन ने बिजन भट्टाचार्य के प्रसिद्ध नाटक 'जबानबंदी' के हिंदी अनुवाद 'अंतिम अभिलाषा' का मंचन भी किया।

इप्टा के प्रति असंदिग्ध प्रतिबद्धता और सांगठनिक कामों में निरंजन सेन की महारथ देखते हुए, उन्हें साल 1946 में कोलकाता में इप्टा के चौथे अखिल भारतीय सम्मेलन में संगठन के राष्ट्रीय महासचिव के ओहदे पर चुन लिया गया। निरंजन सेन पूरे बीस साल यानी साल 1964 तक इप्टा के राष्ट्रीय महासचिव रहे। उनके कार्यकाल में पूरे देश में संगठन का विस्तार हुआ। दूरदराज इलाकों में इप्टा की इकाईयों का गठन हुआ। निरंजन सेन के कार्यकाल में इप्टा के सम्मेलनों में कई नवाचार हुए। उन्होंने पांचवे राष्ट्रीय सम्मेलन से सम्मेलन की सामान्य गतिविधियों के साथ-साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों की परंपरा का आगाज किया। निरंजन सेन ने आखिरी समय में बिगड़ते स्वास्थ्य और शारीरिक कमजोरी की वजह से अपने आप को इप्टा की गतिविधियों से दूर कर लिया था। लेकिन वे इप्टा की सभी गतिविधियों की जानकारी लेते रहते थे। संगठन को अपने सुझाव और जरूरी सलाह भी देते थे। उनकी ख़्वाहिश थी कि भले ही कम्युनिस्ट पार्टी टूट गई हो, लेकिन सांस्कृतिक मोर्चे पर एकता बनी रहे। संयुक्त इप्टा के बैनर पर ही सभी कार्यक्रम हों। इप्टा मेहनतकशों, पीड़ितों के संघर्षों, परेशानियों और आकांक्षाओं को अभिव्यक्त करे। उन्हें दिशा दे। निरंजन सेन की शरीक-ए-हयात डॉ. जोगमाया सेन ने अपनी आत्मकथा में उनके बारे में लिखा है, 'वह करीब-करीब सभी राज्यों में गए। वह इप्टा, शांति, युवा, किसान, ट्रेड यूनियन और कम्युनिस्ट पार्टी के सम्मेलनों में शुरू से अंत तक यथासंभव भाग लेते रहे। उन्होंने अनेकानेक जाने-अनजाने प्रतिभाशाली कलाकारों को आगे लाने में मदद की। वह स्वतः सदा पृष्ठभूमि में ही रहे। उन्हें हर साथी और हर आम आदमी से प्यार था, विशेष रूप से गरीब और शोषित से।' इप्टा के लिए निरंजन सेन ने जो कुर्बानियां दी हैं, उन्हें कभी भुलाया नहीं जा सकता।।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

जम्मू-कश्मीर के लिए भाजपा ने जारी किया संकल्प पत्र, भूमिहीनों को जमीन, वरिष्ठ महिलाओं को सालाना 18,000 रुपए

जनता से 25 वादे, अग्निवीरों को 20% कोटा, आईटी हब और मेट्रो सेवा

एजेंसी । जम्मू

जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव को लेकर बीजेपी ने अपना संकल्प पत्र जारी कर दिया है। गृह मंत्री अमित शाह शुक्रवार को जम्मू पहुंचे। यहां उन्होंने पार्टी का संकल्प पत्र जारी किया। केंद्र शासित प्रदेश के लोगों से बीजेपी ने 25 बड़े वादे किए हैं। इसमें अग्निवीरों को जम्मू-कश्मीर की सरकारी नौकरियों में 20% कोटा देने का वादा है। आईटी हब बनाने का जिक्र है और जम्मू व कश्मीर दोनों रीजन में मेट्रो सेवा चालू करने की बात कही है। संकल्प पत्र जारी करते हुए अमित शाह ने कहा कि आजादी के समय से हमारी पार्टी के लिए जम्मू-कश्मीर बहुत अहम रहा है। आजादी के समय से ही हमने इसे भारत के साथ जोड़ने के लिए बहुत प्रयास किए। पहले भारतीय जनसंघ फिर भारतीय जनता पार्टी ने जम्मू-कश्मीर के लिए संघर्ष किया है। उन्होंने कहा कि अनुच्छेद-370 इतिहास बन चुका है। अब ये लौटकर नहीं आएगा।

भाजपा ने घोषणा पत्र में किए ये बड़े वादे

- हर परिवार की वरिष्ठ महिलाओं को सालाना 18,000 रुपए।
- कॉलेज छात्रों को सालाना 3,000 रुपए।
- 10वीं के छात्र-छात्राओं को लैपटॉप और टैबलेट।
- उज्जवला योजना में सालाना 2 मुफ्त सिलेंडर।
- अटल आवास योजना के तहत भूमिहीनों को 5 मरला मुफ्त जमीन।
- JKPSC और UPSC की तैयारी के लिए 2 साल तक 10 हजार रुपए कोचिंग फीस।
- 5 लाख लोगों को रोजगार देने का वादा।
- डोडा, किश्तवाड़, रामबन, राजौरी, पुंछ, उधमपुर और कठुआ के ऊपरी एरिया टूरिस्ट इंडस्ट्री के तौर पर अपडेटेशन।
- कश्मीर घाटी के गुलमर्ग और पहलगाम को मॉडर्न टूरिस्ट सिटी बनाने का वादा।
- श्रीनगर में तवी रिवरफ्रंट।
- रणजीत सागर बांध बसोहली के लिए अलग झील विकास प्राधिकरण।
- जम्मू में स्पेशल इकोनॉमिक जोन के तौर पर आईटी हब बनाया जाएगा।

पिछले 10 साल में हुआ विकास

शाह ने विरोधी पार्टियों पर हमला बोलते हुए कहा कि 2014 तक जम्मू-कश्मीर पर हमेशा आतंकवाद और अलगाववाद की परछाई रही। ये हमेशा जम्मू-कश्मीर को अस्थिर करते रहे और सभी सरकारों ने एक प्रकार से तुष्टिकरण की पॉलिस्टिक्स से जम्मू-कश्मीर को डील किया। बीते 10 साल में यहां शांति रही और विकास हुआ। 370 और 35A खत्म करना ऐतिहासिक फैसला रहा। अब ये दोनों अतीत बन चुके हैं।

राहुल गांधी से शाह ने मांगा जवाब

गृह मंत्री अमित शाह ने नेता प्रतिपक्ष से सवाल करते हुए कहा कि मैं राहुल गांधी जी से पूछना चाहता हूं कि आप देश और जम्मू-कश्मीर की जनता के सामने स्पष्ट करिए, आपके मौन धारण करने से कुछ नहीं होगा। क्या नेशनल कॉन्फ्रेंस के एजेंडा साथ कांग्रेस पार्टी सहमत है या नहीं? आप हां या ना में जवाब दीजिए।

माकपा नेता सीताराम येचुरी एम्स में भर्ती

नई दिल्ली। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव सीताराम येचुरी को एम्स में फेफड़ों के संक्रमण के इलाज के लिए दाखिल किया गया है। एम्स में उनका इलाज आईसीयू में चल रहा है। अस्पताल से मिली जानकारी के मुताबिक सीताराम येचुरी की हालत अभी गंभीर बनी हुई है। वह बीते दो दिनो से वेंटिलेटर पर हैं। डॉक्टरों की टीम उनका इलाज कर रही है। माकपा ने बताया कि कामरेड सीताराम येचुरी की हालत स्थिर है। 77 वर्षीय माकपा नेता सीताराम येचुरी को।पहले 19 अगस्त को एम्स में भर्ती कराया गया था। बाद में उन्हें आईसीयू में ले जाया गया था। तभी से उनका इलाज किया जा रहा है। गुरुवार को उनकी तबीयत एक बार फिर बिगड़ गई थी।

अमानतुल्लाह की कस्टडी बढ़ाने की मांग

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के विधायक अमानतुल्लाह खान की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में गिरफ्तार अमानतुल्लाह खान को राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश किया गया, जहां ईडी ने उनकी 10 दिन की कस्टडी बढ़ाने की मांग की है। ईडी का कहना है, 'आरोपी का गवाहों और सबूतों से आमना-सामना कराना ज़रूरी है'। ईडी ने कहा कि सबूतों के अलावा, गवाहों के बयान भी जरुरी हैं। बता दें कि इस मामले में अमानतुल्लाह खान के खिलाफ 4 एफआईआर वक्फ बोर्ड से जुड़ी हैं, जबकि 2 एफआईआर आर्म्स एक्ट से जुड़ी हैं। वो इस मामले के मुख्य आरोपी हैं। इस मामले के दूसरे आरोपियों को ईडी पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। ईडी ने कोर्ट से कहा कि अमानतुल्लाह खान सवालों के जवाब देने से बच रहे हैं।

हरियाणा विधानसभा चुनाव: कांग्रेस ने जारी की उम्मीदवारों की पहली सूची

विनेश को जुलाना से दिया टिकट, बजरंग पूनिया को बनाया चैयरमेन

■ कांग्रेस में शामिल होते ही दोनों पहलवानों को दी जिम्मेदारी, ■ भाजपा को चुनाव में उठाना पड़ सकता है नुकसान

एजेंसी । नई दिल्ली

हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने शुक्रवार को अपनी पहली लिस्ट जारी की। 31 उम्मीदवारों की लिस्ट जारी की। पार्टी ने कांग्रेस में शामिल होने के कुछ देर बाद ही विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया को अहम जिम्मेदारी दे दी। शुक्रवार को दिन में दोनों पहलवानों को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से मुलाकात के बाद महासचिव केसी वेणुगोपाल ने पार्टी की सदस्यता दिलाई। शाम को कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक के बाद दोनों को जिम्मेदारी सौंपी गई और उम्मीदवारों के नाम भी फाइनल किए गए। कांग्रेस ने विनेश फोगाट को जुलाना से अपना प्रत्याशी घोषित किया है। वहीं बजरंग पूनिया को कांग्रेस ने ऑल इंडिया किसान कांग्रेस का कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया है। पहले कयास लगाए जा रहे थे कि कांग्रेस बजरंग पूनिया को भी चुनावी लड़ा सकती है। अब बजरंग पूनिया किसान आंदोलन की दिशा तय करेंगे। बता दें कि विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया के कांग्रेस में शामिल होने के बाद विधानसभा चुनाव में भी भाजपा को नुकसान उठाना पड़ सकता है। पिछले साल पहलवानों के विरोध प्रदर्शन का असर लोकसभा चुनाव में भी देखने को मिला था। बीजेपी और कांग्रेस के बीच कांटे का मुकाबला हुआ था। एनडीए और कांग्रेस दोनों को 5-5 सीटों पर जीत मिली थी। हरियाणा की राजनीति में जाटों की अहम भूमिका है। जाटों की आबादी 22 फीसदी से अधिका है। ऐसे में दोनों खिलाड़ियों के आने से कांग्रेस की स्थिति मजबूत होगी। इसका असर विधानसभा चुनाव में भी दिखेगा।

बुरे दौर में कांग्रेस ने दिया साथ: फोगाट

कांग्रेस में शामिल होने के बाद विनेश फोगाट ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने ऐसे वक़्त में उनका साथ दिया जब वह बहुत बुरे दौर से गुजर रही थीं। विनेश फोगाट ने कहा,"मैं कांग्रेस पार्टी का धन्यवाद देती हूं, क्योंकि यह बुरे वक़्त में पता लगता है कि कौन हमारे साथ है और कौन नहीं? कांग्रेस हमारे साथ खड़ी थी, मैं ऐसी विचारधारा के साथ जुड़कर खुश हूं जो महिलाओं के सम्मान में खड़ी होती है। फोगाट ने कहा, देशवासियों का धन्यवाद किया और कहा,"जब हम सड़क पर घसीटे जा रहे थे तो बीजेपी को छोड़कर सभी पार्टियां हमारे साथ खड़ी थी, मैं बहुत गर्व महसूस कर रही हूं कि ऐसी पार्टी में शामिल हूं जो सड़क से संसद तक महिलाओं के लिए संघर्ष कर रही है। मैं पूरे देश के लोगों को यकीन दिलाती हूं कि जिस मेहनत और लगन से हमने रेसलिंग की है ऐसी ही मेहनत हम देश के लोगों के लिए इस नए मैदान में करेंगे। हर उस महिला के साथ खड़े रहेंगे जो अपने आप को लाचार और बेबस समझती है।"

कांग्रेस ने 31 उम्मीदवार उतारे

हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने 31 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी कर दी है। पहलवान विनेश फोगाट को जुलाना विधानसभा से उम्मीदवार बनाया गया है। भूपिंदर सिंह हुड्डा गढ़ी-सांपला-किलोई से चुनाव लड़ेंगे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के सामने लाडवा विधानसभा से नेवा सिंह को कांग्रेस की ओर से मैदान में उतारा गया है। पार्टी ने पूर्व वित्त मंत्री और लालू प्रसाद यादव के दामान चिरंजीव राव को रेवाड़ी से फिर उतारा है। इसके पार्टी ने नूंह सीट पर आफताब अहमद को टिकट दिया है। अन्य बड़े चेहरों में कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष उदयभान होडल (सुरक्षित) सीट से लड़ेंगे। कांग्रेस पार्टी ने एनआईटी फरीदाबाद सीट से नीरज शर्मा को टिकट दिया है। पार्टी ने डबवाली सीट से अमित सिहाग को उतारा है। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी की सीट रहे चुकी नारायणगढ़ से कांग्रेस ने शैली चौधरी को टिकट दिया है।

उज्जैन और सिद्धार्थनगर केस

महिलाओं के साथ बर्बरता मानवता पर कलंक: राहुल

■ 'हर स्तर पर कड़े कदम उठाए जाएं'

एजेंसी । नई दिल्ली

मध्य प्रदेश के उज्जैन और उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थनगर में महिलाओं के साथ हुई बर्बरता को लेकर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने चिंता व्यक्त की है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर लिखा, "उज्जैन और सिद्धार्थनगर में महिलाओं के साथ हुई बर्बरता मानवता पर कलंक है। महिलाओं के खिलाफ लगातार बढ़ते अपराध और पुलिस प्रशासन का पीड़िता और उसके परिवार के प्रति रवैया सिस्टम की बेरहमी का सबूत है और देश के लिए गंभीर चिंतन का विषय है।"लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा, "प्रचार केंद्रित सरकारों ने अपनी झूठी छवि गढ़ने के लिए एक असंवेदनशील व्यवस्था को जन्म दिया है, जिसका सबसे बड़ा शिकार महिलाएं हो रही हैं। समय आ चुका है कि महिलाओं सुरक्षा के लिए समाज के नैतिक उत्थान की दिशा में गंभीर प्रयास किए जाएं - सामाजिक, राजनीतिक और प्रशासनिक हर स्तर पर कड़े कदम उठाए जाएं। बेहतर नागरिक, बेहतर व्यवस्था को जन्म देता है और बेहतर व्यवस्था ही एक बेहतर समाज बनाती है।"

उज्जैन में शराब पिलाकर किया रेप

बताद दें कि उज्जैन के आगर नाका क्षेत्र में कबाड़ जमा करने वाली एक महिला को जबरन शराब पिलाकर रेप करने का मामले सामने आया था। पुलिस अधिकारियों का दावा है कि वीडियो वायरल होने के बाद जब मामला संज्ञान में आया तो पुलिस ने खुद पीड़ित महिला को थाने बुलवाया और केस दर्ज किया। वहीं उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थनगर जिले की रहने वाली एक महिला के साथ बस्ती जिले के छावनी थाना क्षेत्र के एनएच 28 पर बीते 29 अगस्त 2024 की रात को रेप की कोशिश करने की कोशिश की गई थी। यह घटना तब हुई जब महिला अपने बीमार पति को लेकर लखनऊ से अपने गांव लौट रही थी।

हरियाणा : आप 50 सीटों पर उतार सकती है अपने उम्मीदवार

आप-कांग्रेस में नहीं बन पाई बात

एजेंसी । नई दिल्ली

हरियाणा में आम आदमी पार्टी (आप) और कांग्रेस का गठबंधन टूटने की कगार पर है। हरियाणा में आप 50 सीटों पर लड़ने की तैयारी कर रही है। गठबंधन को लेकर दोनों दलों के बीच बातचीत हो रही थी, लेकिन सूत्रों का कहना है कि बात पर सहमति नहीं बन पायी है। सूत्रों के कहना है कि हरियाणा में कांग्रेस और BJP के कई नाराज नेता आप में शामिल हो सकते हैं। रविवार को आम आदमी पार्टी उम्मीदवारों को पहली लिस्ट जारी कर सकती है। पिछले कुछ दिनों से कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच गठबंधन को लेकर चर्चा की बात चल रही थी। ऐसा दावा किया गया था कि कांग्रेस के नेता और सांसद राहुल गांधी गांधी आम आदमी पार्टी के साथ गंठबंधन के पक्षधर हैं। इस बीच यह सूचना आई कि हरियाणा मेंकांग्रेस आमआदमी पार्टी को सात सीटें देने पर सहमत हो गई है, जबकि आम आदमी पार्टीने कांग्रेस से 10 सीटोंकी मांग की है। अब सूत्रों का कहना है कि दोनों पार्टियों के बीच गठबंधन पर सहमति नहीं बनी है।

आप ने 10 सीटों की की थी मांग

हरियाणा में विधानसभा की कुल 90 सीटें हैं। इनमें से आम आदमी पार्टी 10 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में से प्रत्येक में एक विधानसभा की सीट मांग रही थी, जबकि कांग्रेस आम आदमी पार्टी को केवल सात सीटें देने के लिए तैयार थी। दूसरी ओर, आम आदमी पार्टी के नेता संजय सिंह ने इससे पहले कांग्रेस नेता राहुल गांधी के गठबंधन करने के प्रति रूचि दिखाने का स्वागत किया था। उन्होंने कहा था कि दोनों ही पार्टियों का मुख्य उद्देश्य भाजपा को पराजित करना है।

जेपी नड्डा ने नवनिर्मित नेत्र संस्थान का किया उद्घाटन

पटना। बिहार को सेहत के क्षेत्र में बडी सौगात मिली है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने शुक्रवार को इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान परिसर में नवनिर्मित नेत्र संस्थान का उद्घाटन किया। यह नई इकाई 188 करोड़ रुपए की लागत से बनाया गया है। उद्घाटन के बाद मुख्यमंत्री ने नवनिर्मित क्षेत्रीय नेत्र संस्थान का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने आईजीआईएमएस में आयोजित कार्यक्रम में रिमोट के माध्यम से 850 करोड़ रुपए की लागत से विभिन्न परियोजनाओं का भी उद्घाटन और शिलान्यास किया।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव पर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने दी प्रतिक्रिया

जनता नाराज, कांग्रेस की चाहती है सत्ता : नाना पटोले

एजेंसी । मुंबई

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस महाराष्ट्र की शिंदे सरकार पर लगातार आरोप लगा रही है। इस बीच कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि महाविकास अघाड़ी (एमवीए) के लिए महत्वपूर्ण काम मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की सरकार को सत्ता से हटाना है। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने बताया कि सभी वर्गों में वर्तमान राज्य सरकार को लेकर जबरदस्त आक्रोश है। वे कांग्रेस को सत्ता में लाना चाहते हैं। कांग्रेस नेता नाना पटोले ने कहा, "हम महाराष्ट्र की विचारधारा की रक्षा के लिए लड़ रहे हैं। हमारा लक्ष्य मुख्यमंत्री का पद हासिल करना नहीं, बल्कि शिंदे सरकार को सत्ता से बाहर करना है।" उन्होंने आगे कहा, "जनता कांग्रेस को वापस सत्ता में लाना चाहती है। सभी क्षेत्रों में हमारी मौजूदगी है। कांग्रेस महाराष्ट्र के डीएनए में है, भले ही पार्टी ने राज्य में कई उतार-चढ़ाव देखे।" पटोले ने बताया कि गणेश चतुर्थी के बाद सीट बंटवारे पर चर्चा होगी।

भाजपा-शिंदे सरकार पर साधा निशाना

पटोले ने कांग्रेस द्वारा खुद को एमवीए में बड़े भाई के रूप में पेश करने की कोशिश की बात को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि योग्यता के आधार पर सब कुछ होगा। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा, "हमारे बीच कोई अंतर नहीं है। यहां कोई बड़ा भाई-छोटा भाई नहीं है। हम साथ में बैठकर तय करेंगे कि कौन किन सीटों से चुनाव लड़ेगा।" उन्होंने आगे कहा, "भाजपा की गलत रणनीति के कारण कांग्रेस लोकसभा चुनाव में अधिक सीटें जीतीं।" इसके साथ ही उन्होंने आश्वासन दिया कि लोकसभा चुनाव में हारे हुए सीटों पर भी एमवीए गठबंधन जीत हासिल करेगा।

कार्यक्रम में उद्धव ठाकरे की अनुपस्थिति पर दिया जवाब

एक सवार का जवाब देते हुए नान पटोले ने कहा कि सांगली के कार्यक्रम में उद्धव ठाकरे की अनुपस्थिति पर अटकलें लगाने की जरूरत नहीं है। बता दें कि इस कार्यक्रम में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे शामिल हुए थे। उन्होंने कहा, "यह कोई राजनीतिक कार्यक्रम नहीं बल्कि एक पारिवारिक कार्यक्रम था, जहां कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पतंगराव कदम की प्रतिमा का अनावरण किया गया था। कदम के बेटे और कांग्रेस नेता विश्वजीत कदम ने सभी को इस कार्यक्रम में आमंत्रित किया था। उद्धव ठाकरे के पहले से कई कार्यक्रम थे, इसमें कोई राजनीति शामिल नहीं है।"

बुलडोजर एक्शन की आलोचना

जम्मू-कश्मीर को भाजपा से बचाना होगा: उमर

एजेंसी । जम्मू

जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव से पहले सियासी पारा हाई हो गया है। दस साल बाद यहां हो रहे विधानसभा चुनाव को लेकर जम्मू कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस काफी आक्रामक नजर आ रही है। केंद्र शासित प्रदेश में नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता प्रचार कर रहे हैं और गांदरबल सीट से चुनावी मैदान में उतरे उमर अब्दुल्ला ने उत्तर प्रदेश में सरकार के बुलडोजर एक्शन की आलोचना की। इस दौरान उन्होंने कर्नाटक के हिजाब विवाद का भी उल्लेख किया और बीजेपी शासित राज्यों की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि जम्मू कश्मीर को इससे बचाना होगा। चुनावी भाषण के दौरान उमर अब्दुल्ला ने कहा है कि जिस यूपी में मुसलमानों के घरों और दुकानों पर बुलडोजर चलाया जा रहा है उसको लेकर परसों सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ये अवैध है। बता दें कि इस दौरान उनका निशाना उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उनकी सरकार पर था। नेशनल कॉन्फ्रेंस नेता उमर अब्दुल्ला ने कहा है कि जिस तरह से यूपी में मस्जिदों और मदरसों को बंद किया जा रहा है, वो तथ्य हमसे छिपे नहीं हैं। उन्होंने बीजेपी शासित राज्यों का जिक्र करते हुए कहा कि हर बार बीजेपी के आदेश पर मुसलमानों को निशाने पर लिया जा रहा है।

जरूरी खबर

एग्जिट पोल को नियंत्रित करने की याचिका खारिज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को एग्जिट पोल को नियंत्रित करने वाली जनहित याचिका को खारिज कर दिया। कोर्ट ने इसे राजनीतिक हित याचिका करार देते हुए कहा कि देश में शासन चलने दें और चुनाव की गाथा को बंद करें। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने बीएल जैन द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई की। सीजेआई ने कहा कि सरकार चुनी जा चुकी है। अब चुनाव के दौरान क्या होता है, इसकी गाथा बंद करें और अब देश में शासन शुरू करें। पीठ ने कहा कि चुनाव आयोग इस मुद्दे को संभालने में सक्षम है और वह चुनाव आयोग को नहीं चला सकता। सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर मीडिया घरानों और उनकी सहयोगी कंपनियों के खिलाफ जांच की मांग की थी।

भेड़िये का आतंक, बुजुर्ग व तीन वर्षीय बालक पर हमला

बहराइच। बहराइच में भेड़िये का आतंक जारी है। शुक्रवार को भेड़िये ने एक बुजुर्ग और उसके तीन वर्षीय पोते पर हमला कर घायल कर दिया। जिले के कोतवाली दोहात के ग्राम पंचायत यादवपुर के मजरा लोधनपुरवा में भेड़िये ने कृपाराम (60) व उनके पोते सत्यम (03) पर हमला कर भेड़िये ने उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया। गुरूवार की रात को भी इसी गांव में एक बच्चा घायल हुआ था। बहराइच के देहात कोतवाली क्षेत्र के गोलावा मौजा यादवपुर निवासी कलाल यादव का आठ वर्षीय पुत्र संगम लाल गुरूवार देर रात अपने घर के दरवाजे पर खड़ा था तभी भेड़िए ने उस पर हमला कर दिया।

आईटीबीपी जवान ने खुद को मारी गोली

नई दिल्ली। सिक्किम की राजधानी 'गंगटोक' स्थित राजभवन में सुरक्षा ड्यूटी पर तैनात आईटीबीपी के एक जवान ने खुद को गोली मारकर जीवन खत्म कर लिया। सिपाही (जीडी) राजाराम, बल की 13वीं बटालियन की उस कंपनी का हिस्सा थे, जो सिक्किम के राजभवन की सुरक्षा ड्यूटी में तैनात है। इस घटना की 'कोर्ट ऑफ इंक्वायरी' का आदेश दिया गया है। आईटीबीपी सूत्रों के मुताबिक, सिपाही राजाराम ने छह सितंबर की रात को अपनी राइफल से खुद को गोली मारी है। आत्महत्या के सही कारण का पता चले, इसके लिए बॉडी को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

भारत ने किया बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि-4 का सफल परीक्षण

नई दिल्ली। भारत ने शुक्रवार को बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि-4 का सफल परीक्षण किया। ओडिशा के चांदीपुर स्थित परीक्षण रेंज से इसे लॉन्च किया। परीक्षण के दौरान अग्नि-4 ने सभी तय मानकों को सफलतापूर्वक प्राप्त किया। रक्षा मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा, 6 सितंबर 2024 को ओडिशा के चांदीपुर में एकीकृत परीक्षण रेंज से इंटरमीडिएट रेंज बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि -4 का सफल प्रक्षेपण किया गया। प्रक्षेपण ने सभी परिचालन और तकनीकी मानकों को सफलतापूर्वक मान्य किया। यह सामरिक बल कमान के तत्वावधान में आयोजित किया गया था। उल्लेखनीय है कि अग्नि-4 का सफल परीक्षण भारत के लिए काफी अहम माना जा रहा है, क्योंकि यह भारत के न्यूक्लियर डेटरेंस प्रोग्राम का हिस्सा है। खास बात ये है कि अग्नि-4 मिसाइल की मारक क्षमता 4,000 किमी से अधिक है। यानी पलभर में दुश्मन देश इसकी जद में आ सकता है। इसका सफल परीक्षण भारत की रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने की दिशा में मील का पत्थर माना जा रहा है।

बम की सूचना के बाद फ्लाइट को किया डायवर्ट

नई दिल्ली। मुंबई से फ्रैंकफर्ट की ओर जा रहे विस्तारा बोइंग 787 फ्लाइट को शुक्रवार को बम की सूचना के बाद फ्लाइट को डायवर्ट करना पड़ा। प्लेन के टॉयलेट में एक टिश्यू पेपर पर यह मैसेज लिखा था कि फ्लाइट में बम है । इसके बाद विमान को 'सुरक्षा कारणों' से तुर्की के एर्ज़ुरूम एयरपोर्ट की तरफ डायवर्ट कर दिया गया। इसके बाद विमान तुर्की में सुरक्षित रूप से उतारा गया। वहां इसकी पूरी तरह से जांच की गई। घटना को लेकर विस्तारा ने बताया कि उनकी फ्लाइट 27, जो शुक्रवार को मुंबई से फ्रैंकफर्ट के लिए ऑपरेट हो रही थी, को एक सुरक्षा चिंता के कारण तुर्की मोड़ दिया गया था। कंपनी ने कहा कि इसे हमारे चालक दल ने ऑनबोर्ड नोट किया था। विमान एर्जुरम एयरपोर्ट पर सुरक्षित रूप से उतरा है।

प्रधानमंत्री ने की 'जल संचय, जन भागीदारी' पहल की शुरुआत

दुनिया में हमें सबसे आगे खड़ा होना ही होगा: पीएम मोदी

- गुजरात में समारोह को वर्चुअली किया संबोधित

एजेंसी | नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात में 'जल संचय जन भागीदारी' पहल का शुभारंभ किया। जल शक्ति मंत्रालय की ओर से शुरू की गई इस पहल से पीएम मोदी वर्चुअली जुड़े। जहां उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि यह बेहद अहम पहल है, जिसकी गुजरात की धरती से शुरुआत हो रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 'जल संचय जन भागीदारी' योजना के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, "पिछले दिनों देश के हर कोने में जो वर्षा का तांडव हुआ, देश का शायद ही कोई इलाका होगा, जिसको इस मुसीबत से संकट को झेलना न पड़ा हो।" इस दौरान प्रधानमंत्री ने कहा कि जल-संचयन के लिए आज हमें रिड्यूस, रीयूज, रिचार्ज और रीसाइकिल के मंत्र पर आगे बढ़ने की जरूरत है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि दुनिया में हमें सबसे आगे खड़ा होना ही होगा।

यह मानवता के भविष्य का जीवन'

उन्होंने कहा, "जल संरक्षण सिर्फ़ नीति नहीं है, यह एक प्रयास भी है और यूं कहें कि यह एक गुण भी है। इसमें उदारता भी है और जिम्मेदारी भी। जब आने वाली पीढ़ियाँ हमारा मूल्यांकन करेंगी, तो पानी के प्रति हमारा नज़रिया शायद उनका पहला मापदंड होगा। यह जीवन का सवाल है, यह मानवता के भविष्य का जीवन है। मोदी ने कहा कि, "आज जब पर्यावरण और जल संरक्षण की बात आती है तो कई सच्चाईयों का हमेशा ध्यान रखना है। भारत में दुनिया के कुल ताजे पानी का केवल 4 प्रतिशत ही है। कितनी ही नदियां भारत में हैं लेकिन हमारे भू-भाग को पानी की कमी से जूझना पड़ रहा है।

'हम जल-संकट से निजात दिला सकते हैं'

मोदी ने कहा, गुजरात में जन-जन तक पानी पहुंचाने और बचाने की दिशा में कई सफल प्रयोग हुए हैं। सरकारों में जल-संचयन को लेकर जिस विजन की आवश्यकता होती है, पहले के समय में उसकी भी कमी थी। गुजरात की सफलता, गुजरात के मेरे अनुभव मुझे ये भरोसा दिलाते हैं कि हम देश को जल-संकट से निजात दिला सकते हैं।"

हाथरस में सड़क हादसा

रोडवेज बस और वैन की भिड़ंत, 12 की मौत

एजेंसी | हाथरस

उत्तर प्रदेश के हाथरस में एक दर्दनाक हादसा हुआ है, यहां पर रोडवेज बस और मैक्स वैन की भीषण भिड़ंत हुई और इस दर्दनाक हादसे में अब तक 12 लोगों की मौत की खबर है। मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। बताया जा रहा है कि तेरहवीं का भोज खाकर वापस लौट रहे मैक्स लोडर सवारों को रोडवेज बस ने टक्कर मारी है। यह हादसा थाना चंदपा क्षेत्र आगरा-अलीगढ़ बाईपास स्थित मीतई गांव का बताया जा रहा है। बता दें कि मैक्स लोडर सवार लोग सासनी के मुकुंद खेड़ा से तेरहवीं भोज खाकर खंदौली के पास गांव सेवला वापस लौट रहे थे। इस हादसे में एक दर्जन से अधिक लोग भी घायल हुए हैं। इस हादसे की सूचना मिलते ही जिला अस्पताल डीएम और एसपी पहुंचे। रोडवेज बस और मैक्स की भीषण भिड़ंत अफरा तफरी का माहौल पैदा हो गया। चीख पुकार सुनते ही सबसे पहले स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे, जो जहां था और जैसे हालत में वैसे ही दौड़ा चला आया। इस भयंकर भिड़ंत को देख स्थानीय लोगों की तरफ से बचाव अभियान शुरू किया गया, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई।

प्रधानमंत्री व सीएम योगी ने जताया दुख

वहीं इस हादसे पर पीएम मोदी व सीएम योगी आदित्यनाथ ने भी दुख जताया है। सीएम योगी ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा- "जनपद हाथरस में एक सड़क दुर्घटना में हुई जनहानि अत्यंत दुःखद है। मेरी संवेदनाएं मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के साथ हैं।

मणिपुर में हिंसा जारी

बिष्णुपुर में पूर्व सीएम के आवास के पास रॉकेट हमला, एक बुजुर्ग की मौत, पांच घायल

एजेंसी | इंफाल

बीते डेढ़ साल से मणिपुर में हिंसा जारी है। कुकी और मैतेई समुदाय के बीच जारी हिंसा फिलहाल थमती नहीं दिख रही है। इस बीच बिष्णुपुर के मोइरंग इलाके में उग्रवादियों द्वारा किए गए हमले में एक बुजुर्ग की मौत हो गई। इस हमले में अन्य पांच लोग भी घायल हुए। पूर्व मुख्यमंत्री मैरेम्बम कोइरेंग के आवास के परिसर पर रॉकेट गिरा था। जिले में यह दूसरा रॉकेट हमला है। एक अधिकारी ने बताया कि जब रॉकेट हमला हुआ तब बुजुर्ग परिसर में कुछ धार्मिक कार्यक्रम में व्यस्त था। इस हमले के बाद मौके पर ही उसकी मौत हो गई। इस दौरान 13 साल की एक बच्ची समेत पांच लोग भी घायल हुए। यह रॉकेट आईएनए मुख्यालय से दो किमी दूर गिरा। इससे पहले दिन में इंफाल से लगभग 45 किमी दूर स्थित ट्रोंग्लाओबी के आवालसीय इलाके में एक ऊंचे स्थान से रॉकेट दागा गया था।

डेढ़ साल से हिंसा जारी

मणिपुर में पिछले डेढ़ साल से ही हिंसा जारी है। दरअसल, मैतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा दिए जाने की मांग के विरोध में पिछले साल तीन मई को पर्वतीय जिलों में 'आदिवासी एकजुटता मार्च' के आयोजन के बाद झड़पें शुरू हुई थीं। राज्य में तब से अब तक कम से कम 160 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। हिंसा में सैकड़ों लोगों की जान जा चुकी है और हजारों लोग विस्थापित हुए हैं।

ममता ने मंजूरी न दिए जाने पर दी थी धमकी

राज्यपाल बोस ने राष्ट्रपति मूर्मू के पास भेजा अपराजिता विधेयक

एजेंसी | कोलकाता

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में महिला डॉक्टर के साथ दरिंदगी के बाद पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सरकार की तरफ से लाए गए अपराजिता विधेयक को राज्यपाल की तरफ से राष्ट्रपति के पास विचार के लिए भेज दिया है। मामले में राजभवन के मीडिया सेल की तरफ से सोशल मीडिया एक्स पर किए गए एक पोस्ट में लिखा गया है कि पश्चिम बंगाल सरकार से अनिवार्य तकनीकी रिपोर्ट प्राप्त होने पर राज्यपाल ने अपराजिता विधेयक को भारत के राष्ट्रपति के विचारार्थ भेजा है। इसके साथ ही राजभवन ने राज्य विधानसभा सचिवालय की तरफ से नियमों के तहत बहस का पाठ और उसका अनुवाद उपलब्ध कराने में विफलता पर अपनी नाराजगी भी जताई है। बता दें कि तीखी बहस, आपसी आरोप-प्रत्यारोप, राजनीतिक धमकियों और अल्टीमेटम के अंत में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने राज्यपाल की तरफ से विधेयक को मंजूरी न दिए जाने पर राजभवन के बाहर धरना देने की धमकी दी थी। जिस पर राज्यपाल ने मुख्यमंत्री के धमकाने वाले रुख पर नाराजगी जताई और सरकार को कानूनी और संवैधानिक मर्यादाओं का पालन करने में विफल रहने के लिए फटकार लगाई है।

टाइम ने जारी की एआई -2024 की सूची

प्रभावशाली 100 लोगों में शामिल हुए अश्विनी वैष्णव, अनिल कपूर

एजेंसी | नई दिल्ली

केंद्रीय सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव, इंफोसिस के सह-संस्थापक नंदन नीलेकणि और अभिनेता अनिल कपूर उन भारतीयों में शामिल हैं, जिन्हें 'टाइम' पत्रिका की प्रतिष्ठित 'एआई 2024 में 100 सबसे प्रभावशाली लोगों' की सूची में शामिल किया गया है। गुरुवार को जारी इस सूची में 15 भारतीय या भारतीय मूल के लोग हैं। इनमें गूगल के सुंदर पिचाई और माइक्रोसॉफ्ट के सत्य नडेला भी शामिल हैं। पत्रिका में 54 वर्षीय वैष्णव के बारे में कहा गया है कि उनके नेतृत्व में भारत अगले पांच वर्षों के भीतर सेमीकंडक्टर निर्माण के लिए शीर्ष पांच देशों में शामिल होने की उम्मीद करता है, जो आधुनिक एआई प्रणालियों के लिए एक प्रमुख घटक है। पत्रिका में यह भी कहा गया है कि वैष्णव को इन महत्वाकांक्षाओं को साकार करने में महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। टाइम की एआई सूची में 67 वर्षीय कपूर को सितंबर 2023 में उनकी तस्वीर के अनधिकृत एआई उपयोग पर एक ऐतिहासिक जीत के बाद शामिल किया गया। अभिनेता ने बड़ी संख्या में विकृत वीडियो, जीआईएफ और इमोजी के ऑनलाइन प्रसारित होने के बाद यह मामला उठाया था।

सूची में 40 सीईओ, संस्थापक व सह-संस्थापक शामिल

टाइम की इस सूची में 40 सीईओ, संस्थापक और सह-संस्थापक शामिल हैं, जिनमें मेटा के मार्क जुकरबर्ग, गूगल के पिचाई, माइक्रोसॉफ्ट के नडेला और पेरप्लेक्सिटी के अरविंद श्रीनिवास शामिल हैं। एआई नाउ इंस्टीट्यूट की सह-कार्यकारी निदेशक अंबा काक, यूएस ऑफिस ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी पॉलिसी की निदेशक आरती प्रभाकर और कलेक्टिव इंटेलिजेंस प्रोजेक्ट की सह-संस्थापक दिव्या सिद्धार्थ सूची की प्रमुख महिलाओं में शामिल हैं। सूची में एआई के अन्य भारतीय या भारतीय मूल के व्यक्तियों में अमेजन के प्रमुख वैज्ञानिक रोहित प्रसाद और एब्रिज के सह-संस्थापक और सीईओ शिव राव शामिल हैं।

नीलेकणी भारत के बिल गेट्स

इस सूची में इंफोसिस के सह-संस्थापक और एकस्टेप के सह-संस्थापक और चेयरमैन नीलेकणी को भी स्थान दिया गया है। पत्रिका ने उनके बारे में लिखा, "इंफोसिस के अरबपति सह-संस्थापक नीलेकणी ने दुनिया की सबसे अधिक आबादी वाले देश के लिए डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे को विकसित करने में पंद्रह साल सरकार के भीतर और बाहर काम किया है, जिस वजह से उन्हें 'भारत के बिल गेट्स' जैसे उपनाम मिले हैं।"पत्रिका ने आगे कहा कि नीलेकणी ने भारत के आधार कार्यक्रम का नेतृत्व किया, जो दुनिया का सबसे बड़ा बायोमेट्रिक पहचान पत्र कार्यक्रम है। टाइम के प्रधान संपादक सैम जैकब्स ने कहा कि अगर 2023 में ओपनएआई, एंथ्रोपिक और उनके स्टार्टअप लैब जैसे प्रतिस्पर्धियों के उभरने से एआई की दुनिया पर दबदबा था, तो इस साल हमने कुछ तकनीकी दिग्गजों के बड़े प्रभाव को देखा है।

जवाहर कला केंद्र में तीन दिवसीय सुर ताल उत्सव का शुभारंभ

राधाकृष्ण को समर्पित हवेली संगीत और नृत्य से महक उठी गुलाबी नगरी

बेधड़क.जयपुर। राधा-कृष्ण को समर्पित हवेली संगीत की प्रस्तुति दिल में घर कर गई। वहीं सारंगी, पखावज, तानपुरा, शास्त्रीय संगीत ध्रुवपद और धमार ने कृष्ण भक्ति रस के पदों का मधुर गायन किया गया। ये अनूठा नजारा था डेल्फिक काउंसिल ऑफ राजस्थान, पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र उदयपुर और उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र पटियाला की ओर से शुरू हुए तीन दिवसीय उत्सव 'सुर ताल' की शुरुआत का। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि हैड ऑफ फोरस्ट फोर्स अरिजीत बनर्जी, विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ आईएस संदीप वर्मा रहें। शुरुआत में फोटोग्राफर शिरीष कर्राले की फोटोग्राफी वर्कशॉप हुई, जिसमें प्रतिभागियों ने प्रैक्टिकल फोटोग्राफी के गुर सीखे। पहले दिन महोत्सव की संगीत संध्या में मुख्य अतिथि रिटायर्ड आईएएस अधिकारी प्रीतम सिंह और विशिष्ट अतिथि कला प्रेमी कमला पोद्धार रहीं।

शास्त्रीय नृत्यों का फ्यूजन रहा खास

कार्यक्रम की दूसरी प्रस्तुति कोरियोग्राफर संतोष नायर द्वारा निर्देशित विभिन्न शास्त्रीय नृत्यों पर आधारित नृत्य फ्यूजन वाइब्रेन्ट इंडिया रही, जिसमें करीब 30 कलाकारों नें ओडीसी, भरतनाटयम, मोहनीअटम, छाऊ, सूफियाना, सहित देश की विभिन्न नृत्य विधाओं को एक सूत्र में बांधकर दर्शकों को रोमांचित कर दिया। प्रस्तुति में जब विभिन्न शास्त्रीय नृत्य के साथ राजस्थान के घूमर, मणिपुर के पुंग ढोल चोलम और गरबा जैसे लोक नृत्यओं का तालमेल हुआ तो दर्शकों को तालियां बजाने पर मजबूर हो गए। अंत में जब सभी कलाकार एक साथ मंच पर आए तब दर्शकों ने खड़े होकर कलाकारों ने अभिनंदन किया।

इंटरनेशनल प्लेटफॉर्म देने की कोशिश

डेल्फिक काउंसिल ऑफ राजस्थान अध्यक्ष वरिष्ठ आईएस श्रेया गुहा ने बताया कि प्रदेश में युवाओं को राज्य की लोक, कला, संगीत की सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने का काम कर रहे हैं। इस सुर-ताल उत्सव में संगीत, नृत्य, गजल गायन आदि कलाओं की आकर्षक प्रस्तुतियां दी जा रही हैं। उन्होंने कहा कि इंटरनेशनल प्लेटफॉर्म पर मंच प्रदान किया जा रहा है, जिसमें इस उत्सव का आयोजन हो रहा है। इससे अधिकाधिक क्षेत्रीय संस्कृतियों, कलाओं, विरासतों और परम्पराओं को प्रोत्साहन मिलेगा। महोत्सव में दूसरे दिन सौरव वशिष्ठ द्वारा शास्त्रीय गायन और ओडीसी नृत्य की प्रस्तुति होंगी। इस अवसर पर आईएएस अधिकारी डॉ. मनीषा अरोड़ा, काउन्सिल सदस्य शिप्रा शर्मा, कीर्ति शर्मा, नवीन त्रिपाठी, राहुल सूद उपस्थित रहे।

NIFD ग्लोबल जयपुर का किया दौरा

फेमिना मिस इंडिया राज्य विजेता वैष्णवी ने डिजाइनरों को किया प्रेरित

बेधड़क. जयपुर। फेमिना मिस इंडिया-2024 की राज्य विजेता वैष्णवी शर्मा ने फैशन और इंटीरियर डिजाइन फील्ड के युवाओं के साथ सत्र के लिए एनआईएफडी ग्लोबल जयपुर का दौरा किया। उन्होंने फैशन, सौंदर्य और जीवनशैली पर चर्चा करते हुए मार्गदर्शन दिया और अपनी जर्नी शेयर की। एनआईएफडी जयपुर ग्लोबल की नवाचार और क्रिएटिविटी की सराहना की। साथ ही संस्थान को न्यूयॉर्क फैशन वीक, लंदन फैशन वीक, दुबई फैशन वीक और लैक्मे फैशन वीक, एफडीसीआई जैसे कार्यक्रमों में छात्र संग्रह प्रदर्शित करने वाले फैशन स्कूल के रूप में मान्यता दी। उन्होंने स्टूडेंट्स को औपचारिक प्रशिक्षण लेने और डिजाइन क्षेत्र में बढ़ते अवसरों का लाभ उठाने के साथ अपनी जड़ों से जुड़े रहने का मैसेज दिया। एनआईएफडी ग्लोबल जयपुर सेंटर निदेशक कमला पोद्दार और अभिषेक पोद्दार ने उनकी विजिट के महत्व को बताया। उन्होंने बताया कि एनआईएफडी ग्लोबल के बारे में www.nifdglobaljapur.com विजिट कर प्रतिबद्दता को जाना जा सकता है।

मान स्ट्रक्चरल्स ने जीता अवॉर्ड

बेधड़क. जयपुर। मान स्ट्रक्चरल्स (एमएसपीएल) को एंटरप्रेन्योर इंडिया द्वारा नेशनल क्वालिटी अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। नई दिल्ली में हुए प्रोग्राम में उद्यमियों व संगठनों को सम्मानित किया गया, जिन्होंने अपने क्षेत्रों में उत्कृष्टता हासिल की है और विश्व भर में उद्यमशीलता पारिस्थितिकी तंत्र में योगदान दिया है। यह अवॉर्ड वरिष्ठ उपाध्यक्ष (सेल्स एंड मार्केटिंग) पंकज शर्मा, सीएफओ अरविंद झालानी और महाप्रबंधक (प्रोडक्शन) चंद्रशेखर को दिया गया। एमडी गौरव रूंगटा ने कहा कि एंटरप्रेन्योर इंडिया द्वारा यह सम्मान प्राप्त करना गर्व की बात है। पुरस्कार पूरी टीम की कड़ी मेहनत, समर्पण और नवाचार की भावना का प्रमाण है।

City इवेंट्स

शिक्षकों को किया सम्मानित

बेधड़क. जयपुर। आईसीएआई ने शिक्षक दिवस पर मेरे शिक्षक: हमारी जिज्ञासा के गुरु, हमारे शिक्षक: हर यात्रा में मार्ग दर्शक और एक अच्छे छात्र के गुण विषयों पर प्रोग्राम आयोजित किया। इस अवसर पर आईसीएआई जयपुर शाखा द्वारा शिक्षकों का सम्मान किया गया। जयपुर शाखा अध्यक्ष सीए नवीन शर्मा ने इस बात पर जोर दिया कि शिक्षक न केवल तकनीकी ज्ञान प्रदान करते हैं, बल्कि पेशेवर नैतिकता और मूल्यों को सिखाते हैं, जो भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने माना कि शिक्षकों द्वारा रखी गई नींव व्यक्तिगत कॅरियर और देश की वित्तीय प्रणाली के विकास के लिए महत्वपूर्ण है।

स्टूडेंट्स से साझा की स्टार्टअप यात्रा

बेधड़क. जयपुर। द एसोसिएशन ऑफ़ चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ऑफ इंडिया व सरकार के आई स्टार्ट विभाग के संयुक्त तत्वावधान में 11-12 सितंबर को होने वाले स्टार्टअप समिट और एक्सपो के अवेयरनेस शो में स्पीकर्स ने अपनी स्टार्टअप की यात्रा को साझा किया और छात्रों के सवालों के जवाब दिए। जेएनयू हुए इस रोड शो में जयपुर के जाने माने स्टार्टअप के संस्थापकों ने स्टूडेंट्स को नये प्रयोग करने के लिए प्रेरित किया गया। इस मोके पर एसोचैम राजस्थान आईटी कैमेटी के सह अध्यक्ष अर्पित सोनी, फ्लीका इंडिया के फाउंडर टीकम जैन, टेस्ट एंड ट्रैक के फाउंडर विनय कुमार शर्मा, स्टडी बेस के सौरभ व्यास, एसोचैम राजस्थान की स्किल कमेटी की को- चेयर हर्षा रोहित, टेस्ट एंड ट्रैक के फाउंडर विनय कुमार शर्मा और प्रोफेसर डॉ. सीमांचल पंडा ने छात्रों को संबोधित किया।

वंचित समुदाय की समस्याओं पर मंथन

बेधड़क. जयपुर। राजस्थान विकास मंच की ओर से प्रौढ शिक्षण केंद्र झालाना में दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें राजस्थान से सभी जिलों के मंच के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। उन्होंने वर्तमान में घुमंतू, अर्द्ध घुमंतू व वंचित समुदाय की सामाजिक आर्थिक स्थिति का आकलन और समस्याओं के समाधान पर मंथन किया। सामाजिक न्याय व अधिकारिता विभाग के शासन सचिव कुलदीप रांका को ज्ञापन देकर बागरिया समुदाय का नाम सूची में शामिल करने का आग्रह किया।

रवींद्र मंच पर संगीतमय नाटक दरया का मंचन

लैला-मजनू और हीर रांझा की कहानी देखी तो समझा 'प्रेम'

बेधड़क | जयपुर

'मैं दरया हूं, मैं बहता हूं। सबसे कुछ मैं कहता हूं- इश्क' ये पंक्तियां नाटक दरया की है। संगीत से भरपूर नाटक दरया से कलाकारों ने कलाकारी की बारीकियां दर्शाने के साथ मैसेज भी दिए। मौका था रवींद्र मंच के मिनी ऑडिटोरियम में नाटक के मंचन का। 120 मिनट के नाटक ने दर्शकों को मोहित कर दिया। सुंदर अभिनय और सुरीले गानों के साथ खूबसूरत सेट और लाइट डिजाइन का भी महत्व रहा। नाटक दरया प्रेम-पिया जोड़े की कहानी थी।

दोनों प्रेमी हैं और रिश्ते में हैं। पिया को आने वाले कुछ दिनों में ही मुम्बई जाना है, क्योंकि वह मॉडलिंग में नाम बनाना चाहती है। पिया चाहती है कि प्रेम उसके साथ मुंबई चले और वहीं अपना थिएटर करे। वहीं, प्रेम यहीं रहना चाहता है और चाहता है कि पिया उसका नाटक देखे। ऐसे में दोनों के बीच दूरी आ जाती है। पिया हीर रांझा, रोमियो जूलिएट, लैला मजनू की कहानी देखती है और उसे प्रेम का प्यार समझ आता है। नाटक का लेखन और निर्देशन लोकेश राज कुमार ने किया। निर्माता रंजना चौधरी थी तो लोकेश राज कुमार, कृतिका दिवाकर ने दमदार अभिनय कर दर्शकों का मन मोहा। ईशान, सेजल, हिमांशु जैन, पवन सोनी, मुदित सुहालका, विहान, तन्मय, हिमाली भाटिया, कुमुद, विशाल और धनराज ने अभिनय कर पात्र को जीवंत किया।

यूरोप के 7 देशों से गुजरा साइकिलिंग चैलेंज रूट

'नॉर्थकेप' पूरा करने वाली देश की प्रथम महिला साइक्लिस्ट बनीं रेणु

बेधड़क | जयपुर

आयरन लेडी के रूप में पहचाने जाने वाली जयपुर की 59 वर्षीय साइक्लिस्ट रेणु सिंघी ने एक और उपलब्धि अपने नाम की है। उन्होंने यूरोप में आयोजित अल्ट्रा साइकिलिंग चैलेंज 'नॉर्थकेप-4000' को पूरा किया और ऐसा करने वाली वे देश की प्रथम महिला बन गई हैं। 4200 किलोमीटर के इस अनसपोर्टेड बाइसाइक्लिंग एडवेंचर के मुश्किल होने से इसमें गिने-चुने साइक्लिस्ट ही शामिल होते हैं। इस बार इसके 44 देशों के 350 प्रतिभागियों में भारत के सिर्फ 5 साइक्लिस्ट थे। इनमें देश की पहली महिला साइक्लिस्ट के तौर पर रेणु सिंघी न सिर्फ शामिल हुईं, बल्कि इसे फिनिश कर देश को गौरवान्वित किया। रेणु सिंघी ने यह सफर 19 दिन में ही पूरा कर लिया। उन्होंने बताया कि इसके नियमानुसार प्रतिभागी किसी भी प्रकार की बाहरी मदद नहीं ले सकते थे, जिससे हमारे लिए यह राइड न सिर्फ फिजिकल फिटनेस की, बल्कि धैर्य व दृढ़ संकल्प का इम्तिहान रही। इस दौरान अधिकांश सफर जंगल के बीच से रहा। कई बार भूखे-प्यासे रहकर आगे बढ़ते गए। गौरतलब है रेणु 'नॉर्थकेप-4000' से पूर्व एकमात्र भारतीय महिला साइक्लिस्ट के तौर पर 'लंदन-एडिनबर्ग-लंदन-2022' फिनिश कर चुकी हैं और वे लगातार 11 बार एसआर का स्टेटस हासिल कर चुकी हैं। वे

वर्ष 2019 में फ्रांस में आयोजित 'पेरिस-बे-पेरिस' में 92 घंटे में 1220 किलोमीटर साइकिलिंग कर चुकी हैं।

धार्मिक कार्यक्रम दिगम्बर जैन धर्मावलंबियों ने मनाया पर्व

व्रत किया, चौबीस तीर्थंकरों की पूजा कर रोट चढ़ाया

बेधड़क | जयपुर

दिगम्बर जैन धर्मावलंबियों ने शुक्रवार को रोट तीज पर्व मनाया। दिगम्बर जैन श्रद्धालुओं ने मंदिरों में चौबीस तीर्थंकरों की 72 कोठे का मण्डल मांडकर तीन चौबीसी का पूजा विधान किया और घरों में रोट-खीर बनाए गए। राजस्थान जैन युवा महासभा के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया, कि मंदिरों में पूजा के बाद तीनों काल के 108 जाप्य किए गए। महिलाओं ने व्रत उपवास किए। व्रत तीन साल तक किया जाता है। रोट बनाकर सर्वप्रथम रोट, घी, बूरा, तुरई का रायता मंदिरों में पाट पर चढ़ाया गया।

प्रवचन में क्षमा धर्म को समझाया: रोट तीज के व्रत से अक्षय नीधि की प्राप्ति होती है। भट्टारक परम्परा से रोट तीज की शुरुआत हुई। इसे त्रैलोक्य (त्रिलोक) तीज भी कहते हैं। अब रविवार से दशलक्षण महापर्व प्रारम्भ होंगे जो मंगलवार 17 सितंबर तक चलेंगे। इन दिनों के दौरान दिगम्बर जैन मंदिरों में पूजा-अर्चना के विशेष आयोजन किए जाएंगे। मंदिरों में क्षमा धर्म पर पूजा होगी। शाम को प्रवचन में क्षमा धर्म को समझाया जाएगा।

सांस्कृतिक आयोजन होंगे

जैन धर्म में उत्तम क्षमा, उत्तम मार्दव, उत्तम आर्जव, उत्तम शौच, उत्तम सत्य, उत्तम संयम, उत्तम तप, उत्तम त्याग, उत्तम आकिंचन्य व उत्तम ब्रम्हचर्य सहित धर्म के 10 लक्षण होते हैं। इन 10 दिनों में सुबह से जैन मंदिरों में अभिषेक, शांतिधारा, सामूहिक पूजा, मुनिराजों की विशेष प्रवचन शृंखला, श्रावक संस्कार साधना शिविर, महाआरती, धार्मिक व सांस्कृतिक कार्यक्रम होते हैं।

जैन युवा महासभा ग्रामीण ने मनाया पर्व

राजस्थान जैन युवा महासभा ग्रामीण के सदस्यों और पदाधिकारियों ने रोट तीज पर्व सेलिब्रेट किया। महामंत्री अमन जैन ने बताया कि मंदिरों के साथ-साथ सभी ने घरों में भी विशेष पूजा की। अब 8 सितंबर से जैन धर्मावलंबी श्रद्धानुसार तीन दिन व अधिक दिनों का उपवास रखेंगे। वहीं षोडशकारण और मेघमाला व्रत 18 सितंबर तक चलेंगे।

शक्ति भ्रष्ट नहीं करती, बल्कि शक्ति खोने का भय भ्रष्ट कर देता है।

विनायक शर्मा, फाउंडर एंड एडिटर इन चीफ, सच बेधड़क मीडिया ग्रुप

अमेरिका को रूस की खुली चेतावनी, कहा-

रेड लाइन पार न करो वर्ना भुगतने पड़ेंगे गंभीर परिणाम

एजेंसी | मॉस्को

रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने यूक्रेन युद्ध मामले में अमेरिका को 'रेड लाइन' पार नहीं करने की चेतावनी दी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि 'वाशिंगटन मास्को के साथ आपसी संयम की भावना को खो रहा है।'

रूस की सरकारी समाचार एजेंसी तास की रिपोर्ट में बताया गया है कि विदेश मंत्री ने इसे खतरनाक कहा है। विदेश मंत्री ने कहा कि 'यूक्रेन को हथियार सप्लाई करने के मामले में अमेरिका ने लाल रेखा को पार कर लिया है। अमेरिका को यह समझना चाहिए कि हमारी रेड लाइन मजाक बनाने की चीज नहीं है, वे अच्छी तरह से इस बात को जानते हैं।' रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि वाशिंगटन यूक्रेन को हथियार सप्लाई करने के संभावित परिणाम को समझेगा। उन्होंने कहा, 'मुझे विश्वास है कि वहां महत्वपूर्ण प्रभाव डालने वाले उचित लोग बचे हुए हैं, हमें उम्मीद है कि वे अमेरिका के हितों को ध्यान में रखेंगे।'

युद्धविराम पर यह बोला अमेरिका

दूसरी तरफ अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के प्रवक्ता जॉन किर्बी ने कहा है कि अमेरिका उन सभी देशों का स्वागत करने के लिए तैयार है, जो यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने में मदद करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा, 'जो भी देश यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की के विशेषाधिकारों, यूक्रेन के लोगों के विशेषाधिकारों, न्यायपूर्ण शांति के लिए उनकी योजना को ध्यान में रखते हुए युद्ध समाप्त करने की भूमिका में आगे आएंगे उनका अमेरिका स्वागत करेगा।'

संघर्ष विराम पर पुतिन ने क्या कहा

गुरुवार को रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने भी नरम रवैया अपनाते हुए पहली बार यूक्रेन में शांति का संकेत दिए। भारत समेत तीन देशों का नाम लेते हुए उन्होंने कहा कि ये देश यूक्रेन में संघर्ष को रोकने के लिए गंभीर हैं। पुतिन ने कहा, 'हम अपने मित्रों और भागीदारों का सम्मान करते हैं, जो इस संघर्ष से जुड़े मुद्दों को हल करने के लिए ईमानदार हैं। मुख्यरूप से भारत, चीन और ब्राजील। मैं इस मुद्दे पर लगातार अपने सहयोगियों के संपर्क में हूं।'

भारत शांतिपूर्ण संघर्ष विराम के पक्ष में

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की यह टिप्पणी पीएम मोदी के यूक्रेन यात्रा के दो सप्ताह बाद आई है। यूक्रेन दौरे के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की से युद्धविराम को लेकर चर्चा की थी और कहा था कि वे संघर्ष विराम के लिए अपना समर्थन करेंगे।

रूस ने सरेंडर सैनिकों को भी उतारा मौत के घाट

रूस-यूक्रेन जंग के 2 साल से ज्यादा हो गए हैं। किसी को भी उम्मीद नहीं थी कि इस जंग में परमाणु ताकत वाले रूस के सामने यूक्रेन जैसा छोटा देश इतने समय तक टिकेगा। मगर, अब समय बदल रहा है। रिपोर्ट के अनुसार रूसी सैनिकों ने तीन सरेंडर करने वाले यूक्रेन के जवानों को मौत के घाट उतार डाला। जब वो सरेंडर करने के लिए बंकर से बाहर हथियार डालकर सरेंडर के लिए निकल रहे थे। यूक्रेनी अधिकारी का कहना है कि जिन्होंने यूनिट की पहचान की, सुरक्षा के लिए कुछ ब्योरा छिपाने का अनुरोध किया है। यह साफ तौर पर हत्याओं को बढ़ावा देना का हिस्सा है, जो इस साल तेजी से बढ़ता जा रहा है। इस बीच यूक्रेनी रक्षा खुफिया सूत्रों ने मीडिया को नवंबर से अब तक 15 मामलों की एक लिस्ट दी है, जिनमें से ज्यादातर ड्रोन वीडियो या ऑडियो इंटरसेप्ट्स हैं, जिसमें उन्होंने कहा है कि सरेंडर करने वाले यूक्रेनी सैनिकों को बंदी बनाने के बजाय रूसी सैनिकों ने मौत के घाट उतार दिया था।

28 घटनाओं की जांच कर रहा ऑफिस: जनरल

यूक्रेन के प्रॉसीक्यूटर जनरल ने मीडिया को बताया कि उनका कार्यालय युद्ध शुरू होने के बाद से 28 ऐसी घटनाओं की जांच कर रहा है, जिनमें कुल 62 यूक्रेनी सैनिक मारे गए हैं। पोक्रोवस्क क्षेत्र से मिले वीडियो फुटेज रूसी सेना की लगातार क्रूर रणनीति है, क्योंकि वे यूक्रेन के पूर्व में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं।

शेख हसीना को लेकर मोहम्मद यूनुस के बिगड़े बोल

'भारत के लिए अच्छा नहीं'

एजेंसी | ढाका

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मुहम्मद यूनुस ने भारत में रहते हुए पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के बयान को लेकर आपत्ति जताई है। मुहम्मद यूनुस ने कहा कि शेख हसीना द्वारा भारत से राजनीतिक टिप्पणी करना एक अमित्र भाव है। जब तक ढाका द्वारा उनके प्रत्यर्पण नहीं हो जाता तब तक दोनों देशों को असुविधा से बचाने के लिए उन्हें चुप रहना चाहिए।

उन्होंने कहा कि यदि भारत उन्हें तब तक रखना चाहता है, जब तक बांग्लादेश सरकार उन्हें वापस नहीं बुला लेती, तो शर्त यह होगी कि उन्हें चुप रहना होगा। बांग्लादेश भारत के साथ मजबूत संबंधों को महत्व देता है, लेकिन नई दिल्ली भी यह संबंध बनाए रखने के लिए इस पर विचार करना चाहिए। भारत को शेख हसीना के उस बयान से बचना चाहिए जिसमें उन्होंने कहा कि शेख हसीना के बिना देश अफगानिस्तान में बदल जाएगा।

'हसीना को वापस लाकर उन पर मुकदमा चलाएंगे'

यूनुस ने शेख हसीना को वापस लाकर उन पर मुकदमा चलाने की बात कही। साथ ही यह भी कहा कि हसीना के भारत में रहने से कोई भी सहज नहीं है। यूनुस ने कहा कि अगर हसीना चुप रहतीं, तो हम इसे भूल जाते, लोग भी भूल जाते क्योंकि वह अपनी दुनिया में होतीं। लेकिन वह भारत में बैठकर बयानबाजी कर रही हैं, निर्देश दे रही हैं, यह किसी को पसंद नहीं है।

इसलिए भड़का बांग्लादेश

यूनुस शेख हसीना के 13 अगस्त को दिए उस बयान की ओर इशारा कर रहे थे, जिसमें हसीना ने पिछले महीने बांग्लादेश में हुई हत्याओं और हिंसा को आंतकी घटना करार देते हुए उनमें शामिल लोगों की पहचान और जांच की मांग की थी। साथ ही, हसीना ने अपने लिए न्याय की मांग करते हुए अपराधियों को सजा देने के लिए कहा था। यूनुस ने इस तरह के बयान को भारत और बांग्लादेश दोनों के लिए अच्छा नहीं बताया है।

'भारत और बांग्लादेश के संबंध कमजोर स्थिति में'

यूनुस ने भारत और बांग्लादेश संबंधों के सवाल पर कहा कि वर्तमान में द्विपक्षीय संबंधों की स्थिति कमजोर है। इसे सुधारने के लिए दोनों देशों को मिलकर काम करने की जरूरत है। इसके अलावा यूनुस ने भारत और बांग्लादेश देश के बीच ट्रांजिट एग्रीमेंट और अडानी के साथ इलेक्ट्रिसिटी डील पर बात करते हुए कहा कि इन पर विचार करने की मांग चल रही है।

ट्रम्प का प्रतिद्वंद्वी प्रत्याशी पर हमला... बोले-

कमला राष्ट्रपति बनीं तो इजराइल खत्म

वाशिंगटन। ट्रम्प ने कहा कि अगर डेमोक्रेटिक पार्टी की फिर से सरकार बनती है तो यहूदी अमेरिका में टिक नहीं पाएंगे। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया कि यदि उपराष्ट्रपति कमला हैरिस चुनाव जीतकर राष्ट्रपति बनती हैं तो इजराइल का अस्तित्व समाप्त हो जाएगा। ट्रम्प ने लास वेगास में रिपब्लिकन यहूदी गठबंधन के वार्षिक सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बात कही। रिपब्लिकन उम्मीदवार ट्रम्प ने दावा किया कि कमला के राष्ट्रपति बनने के बाद वे इजराइल को भूल जाएंगी।

यहूदी 1000 साल इजराइल के साथ रहें

ट्रम्प ने कहा कि यहूदियों को ये बात समझनी होगी। उन्होंने वहां कहा कि आप सबको अपने लोगों ये बात समझाना होगा, क्योंकि वे ये सब नहीं जानते। उन्हें पता ही नहीं कि वे क्या करने जा रहे हैं। ट्रम्प ने रिपब्लिकन यहूदी गठबंधन में कहा कि अगर वे राष्ट्रपति बनते हैं तो ये सुनिश्चित करेंगे कि यहूदी 1000 सालों तक इजराइल के साथ रहें। अगर आप यहूदी हैं और उनका (कमला) समर्थन करते हैं तो आपको अपने दिमाग की जांच करानी चाहिए। वे आपके साथ बहुत बुरे रहे हैं।

एंटी यहूदी संस्थान की फंडिंग रोकूंगा

ट्रम्प बोले- राष्ट्रपति बना तो एंटी यहूदी संस्थान की फंडिंग रोकूंगा ट्रम्प ने कहा कि यदि वे राष्ट्रपति बनते हैं तो गाजा जैसे हर आतंकी ठिकाने पर शरणार्थियों की एंट्री बंद कर देंगे। वे सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वाले 'हमास समर्थक' गुंडों को जेल में ठूंस देंगे।

पाकिस्तान में जंगली पोलियो वायरस...

इस्लामाबाद में 16 साल बाद मिला केस

एजेंसी | इस्लामाबाद

पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में पिछले 16 वर्ष में पोलियो का पहला मामला सामने आया है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। यह घटना देश से इस गंभीर वायरस को खत्म करने के राष्ट्रीय प्रयासों के लिए एक बड़ा झटका है।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान की प्रयोगशाला के अनुसार, इस्लामाबाद के यूनियन काउंसिल रूरल चार में एक बच्चे में जंगली पोलियो वायरस टाइप 1 (WPV1) पाया गया है। आधिकारिक बयान में कहा गया कि यह पिछले 16 वर्ष में इस्लामाबाद में सामने आया पहला मामला है। आधिकारिक बयान के मुताबिक यह नवीनतम मामला पाकिस्तान में इस वर्ष पोलियो का 17वां मामला है।

इस रोग का कोई इलाज नहीं

पोलियो उन्मूलन के लिए प्रधानमंत्री की विशेष प्रतिनिधि आयशा रजा फारूकी ने कहा, 'यह बेहद दुखद है कि एक और पाकिस्तानी बच्चा ऐसे रोग से ग्रसित हुआ है जिसका कोई इलाज नहीं है। हालांकि, आसानी से उपलब्ध होने वाले टीके की मदद से इसे पूरी तरह से रोका जा सकता है।' पोलियो उन्मूलन के लिए राष्ट्रीय आपातकालीन संचालन केंद्र के संयोजक मुहम्मद अनवर उल हक ने बीते दिनों अहम जानकारी दी थी। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान सरकार ने इस साल पोलियो-रोधी 6 अभियान चलाए हैं।

पोलियो की खुराक पिलाने की सलाह

रिपोर्ट के अनुसार इसी साल जुलाई में पोलियो का मामला बलूचिस्तान प्रांत के झोब जिले में सामने आया था। प्रांत के झोब इलाके के हसनजई का डेढ़ साल का बच्चा पोलियो की चपेट में आया। डॉ. मलिक मुख्तार अहमद ने कहा कि इस साल देश में 9 बच्चे पोलियो वायरस से प्रभावित हुए हैं। पोलियो उन्मूलन के क्षेत्र में काम करने वाली आयशा रजा फारूक ने लोगों को अपने बच्चों को पोलियो की खुराक पिलने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि पोलियो को रोकने के लिए दवा की अधिक खुराक की जरूरत है।

सृष्टिविनायक एंटरटेनमेंट मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक व प्रकाशक मिताली यादव द्वारा सच बेधड़क दैनिक हिन्दी अखबार, 34/16-ए, शिप्रा पथ, मानसरोवर, जयपुर-302020 (राजस्थान) से प्रकाशित एवं भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, शिवदासपुरा, रेलवे क्रॉसिंग टोंक रोड, जयपुर (राजस्थान) से मुद्रित।
संपादक: विनायक शर्मा*, **फोन नं. :** 9664014179 (ऑफिस), **ई-मेल:** news@sachbedhadak.com, **RNI No. :** RAJHIN/2021/82557 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।

दैनिक हिन्दी अख़बार
सच बेधड़क

"सच बेधड़क" दैनिक हिन्दी अख़बार की प्रति PDF के माध्यम से मुफ़्त प्राप्त करने के लिए इस लिंक पर Click कीजिए

Telegram

https://rb.gy/3bkrnl